जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665 वर्ष: 27 संख्या: 100 प्रभात अजमेर, बुधवार 9 नवम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जैसलमेर आया विदेशी गिद्धों का कुनबा

सर्दी का मौसम शुरु होने के साथ ही प्रवासी मेहमान पक्षियों का आगमन शुरु हो गया है। जैसलमेर में हर बार की तरह इस बार भी प्रवासी पक्षियों के झुंड आए हैं। यूरेशियन ग्रिफन वल्चर व हिमालय ग्रिफन गिद्धों ने भी डेरा जमाना शुरु कर दिया है। राजस्थान में यूरेशियन ग्रिफन वल्चर कज़ाकिस्तान, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान से आते हैं। सर्दी के मौसम में जब इन देशों में कड़ाके की ठंड पड़ती है तब इन क्षेत्रों के पक्षी तुलनात्मक रुप से गर्म प्रदेशों का रुख करते हैं। जैसलमेर के धोलिया और भादरिया में इन पक्षियों के समूह देखे जा रहे हैं। दरअसल इन इलाकों में मवेशी भारी तादाद में हैं तथा इन गिद्धों का मुख्य भोजन चूंकि मृत जानवर हैं इसलिए यहां इन्हें भरपूर भोजन मिलता है। ये गिद्ध मार्च, अप्रैल तक जैसलमेर के इन इलाकों में ही विचरण करेंगे। पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी ने बताया कि, जैसलमेर में गिद्धों का आना पर्यावरण के लिए बहुत ही सुखद है। ये संकटग्रस्त गिद्ध पर्यावरण को शुद्ध रखने में मददगार होते हैं। ये मरे जानवर खाते हैं जिससे प्रदूषण नहीं फैलता। उन्होंने बताया कि, प्रवासी गिद्धों के साथ- साथ स्थानीय रैड हैडेड, व्हाइट रम्पड, लाँग बिल्ड व ईजिप्शियन वल्चर भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा हिमालयन ग्रिफन और यूरेशियन ब्लैक वल्चर भी देखे जा रहे हैं। हिमालय ग्रिफन गिद्ध, हिमालय के उस पार, मध्य एशिया, यूरोप, तिब्बत आदि ठण्डे इलाकों से आते हैं, क्योंकि तेज सर्दी में वहाँ भोजन नहीं मिलता है। जैसलमेर जिले की सर्दी इन पक्षियों के लिए अनुकूल है। जिले में पशुपालन बहुतायत में होता है इसलिए इन्हें भोजन की कमी नहीं होती है। राधेश्याम पेमानी ने बताया कि, इन दिनों इस इलाके में कुत्तों की संख्या बढ़ने से मृत पशु बचते ही नहीं हैं। उन्होंने बताया कि लंपी नामक बीमारी के कारण पशुओं को मौत के बाद ज्यादातर दफनाया गया जिससे मृत पशु नहीं मिल पा रहे हैं। इसलिए इस बार इन संकटग्रस्त गिद्धों को भोजन की समस्या आड़े आ सकती है।

चीन के राष्ट्रपति शी यूक्रेन में न्युक्लियर बम के उपयोग की धमकी के खिलाफ खुलकर सामने आये

जैसा कि विदित ही है, रूस कई बार सार्वजनिक धमकी दे चुका है कि, यूक्रेन के खिलाफ न्युक्लियर बम का सीमित उपयोग कर सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। यूक्रेन को काबू में करने के लिए रूस की परमाणु युद्ध की धमकी पर चीन ने रूस को यह स्पष्ट व संक्षिप्त संदेश भेजा है कि वह परमाणु विकल्प का इस्तेमाल करने से परहेज करे। उम्मीद है इससे विश्व की चिंता कुछ कम हुई होगी। चीन के राष्ट्रपति शी ने कहा है कि "परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए और परमाणु युद्ध नही लड़े जाने चाहिए।"

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट कहती है कि जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज़ के साथ हुई अपनी मुलाकात में राष्ट्रपति शी ने यूक्रेन में चल रहे वर्तमान युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ अपनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दी थी। उनकी टिप्पणियों की भाषा उस संयुक्त शपथ के अनुरूप थी कि परमाणु हथियारों का उपयोग सिर्फ रक्षात्मक उद्देश्य के लिए ही किया जाएगा। यह संयुक्त शपथ एक समझौते में थी, जिसे इस वर्ष के जनवरी माह में चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। ये पांच ही परमाणु शस्त्रों से सुसज्जित देश हैं जिन्हें वर्ष 1968 में

- **यह सख्त टिप्पणी चीन के राष्ट्रपति ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज़ से मुलाकात के दौरान की।**
- **रूस इस टिप्पणी के बाद, कुछ रक्षात्मक मुद्रा में आया।**
- **रूस की तरफ से कहा गया कि, राष्ट्रपति शी की सख्त टिप्पणी का रूस व चीन के संबंधों पर कोई गलत असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि राष्ट्रपति शी द्वारा काम में ली गई भाषा बिल्कुल वो ही है, जो हथियार-अप्रसार नीति के संबंध में चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन व अमेरिका की नीतिगत व्याख्या में है।**
- **रूस की ओर से यह समझाया गया कि, रूस का, न्यूक्लियर बम के उपयोग का कभी भी कोई इरादा नहीं था, रूस ने न्यूक्लियर विकल्प के उपयोग की धमकी केवल इसलिये दी थी कि, नाटो संगठन की सेनाएं रूस में प्रवेश करने की हिम्मत न करें।**

हुई नॉन-प्रोलिफरेशन ऑफ न्यूक्लियर वैपन्स संधि से मान्यता प्राप्त हैं।

शी का बयान पुतिन के बयान के एक महीने बाद आया है। पुतिन ने कहा था कि रूस अपने लोगों की सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करेगा और चुनौतियों से निबटने के लिए उसके पास बड़ी संख्या में परमाणु हथियार हैं।

पुतिन की टिप्पणियों ने पश्चिमी देशों को इसे लेकर चिंता में डाल दिया था कि मॉस्को अपने यूक्रेन आक्रमण में परमाणु हथियारों का प्रयोग कर सकता है, लेकिन पुतिन ने पिछले महीने कहा कि राजनीतिक अथवा सैन्य रूप से परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं है।

चीन-रूस संबंधों के विशेषज्ञ कहते हैं कि दोनों देश एक-दूसरे के परमाणु सिद्धान्त को समझते हैं और शी का रूख उनके संबंधों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

सिन्हुआ यूनिवर्सिटी के सैन्टर फॉर इन्टरनैशनल सिक्योरिटी एण्ड स्ट्रैटजी के एक वरिष्ठ अध्येता झाउ बो के अनुसार शुल्ज़ के समक्ष व्यक्त किया गया शी का बयान परमाणु हथियारों को लेकर चीन की दीर्घकालीन स्थिति को परिलक्षित करता है। यह कुछ ऐसा है जिससे मॉस्को भली भांति परिचित है और इसलिए वह संबंधों को खराब नही करेगा।

झाउ, जो कि पीपल्स लिबरेशन आर्मी के सीनीयर कर्नल भी रह चुके हैं, ने कहा कि "चीन ने रूस अथवा यूक्रेन में से किसी का भी पक्ष नहीं लेने का विकल्प है, लेकिन जब बात परमाणु हथियारों की आती है तो चीजें बिल्कुल अलग हो जाती हैं क्योंकि इसमें मानवता का बने रहना शामिल है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और नाटो को यूक्रेन में अपने सैनिकों को भेजने से रोकने में परमाणु हथियारों का उपयोग करने की रूस की धमकी को प्रभावी माना जा रहा है।

झाउ ने कहा कि "रूस की सरकार ने प्रत्यक्ष व स्पष्ट रूप से यह कभी नहीं कहा कि वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगी। उसने कई बार सिर्फ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश, गुजरात में भारतीय ट्राइबल पार्टी से गठबंधन करने से क्यों कतरा रहे हैं

हालांकि, गुजरात में 2002 के बाद से नीतीश की पार्टी की स्थिति लगातार गिरती जा रही है, तथा 2017 में तो एक भी सीट नहीं जीत पायी थी

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार की जे.डी.यू. की तुलना में छोटूभाई वसावा की भारतीय ट्राइबल पार्टी (बी.टी.पी.) का प्रभाव कहीं ज्यादा है, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री को बी.टी.पी. के साथ गठबंधन करने के मामले में कुछ आपत्तियाँ है।

वसावा की इस घोषणा कि जे.डी.यू. के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन तय हो चुका है तथा कुमार बी.टी.पी का प्रचार करेंगे, के चंद दिन बाद ही, जे.डी.यू. के मुख्य प्रवक्ता के.सी. त्यागी ने आज दावे से कहा कि "अभी इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।"

हाल ही में, वसावा के नीतीश

- **गठबंधन से नीतीश की पार्टी को कुछ लाभ मिलता गुजरात में, वोट प्रतिशत बढ़ने से, पर, नीतीश की राष्ट्रीय भूमिका निभाने की महत्वाकांक्षा को जरूर झटका लगता।**
- **कांग्रेस व आप, दोनों गुजरात में गंभीरता से चुनाव लड़ रही हैं, तथा नीतीश द्वारा ट्राइबल पार्टी से गठबंधन करने से विपक्ष की एकता को झटका लगता। नीतीश की महत्वाकांक्षा का आधार ही विपक्ष की एकता है, अतः वे ट्राइबल पार्टी से गठबंधन का प्रस्ताव कैसे कर सकते हैं।**

कुमार तथा जे.डी.यू. अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह से भेंट की थी। लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री जिस कारण से बी.टी.पी. के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन करना नहीं चाहते, वह कारण यह है कि वे नहीं चाहते कि उन्हे विपक्षी एकता के हितों के विरूद्ध काम करने वाले के रुप में देखा जाए। चूँकि कांग्रेस तथा अरविन्द केजरीवाल की आप पार्टी भी गुजरात में चुनाव लड़ रही हैं, इसलिये बी.टी.पी. के साथ जे.डी.यू. का गठजोड़ विपक्ष या धर्मनिरपेक्ष दलों के बिखराव का संकेत दे सकता है।

जे.डी.यू. सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने यह विचार जरूर व्यक्त किया था कि बी.टी.पी. जे.डी.यू के साथ अपने विलय के बारे में विचार कर सकती है। इस परिदृश्य में, जे.डी.यू. नेता चुनाव-पूर्व के गठबंधन के लिये कांग्रेस से सम्पर्क में आने की आशा सँजो सकते हैं।

प्रसंगवश बता दें कि वसावा का जे.डी.यू. के साथ 2007 से 2017 तक, 10 वर्षों की छोटी सी अवधि का जुड़ाव रहा है। जहाँ स्वर्गीय समाजवादी नेता मामा बालेश्वर दयाल की विरासत राजस्थान तथा गुजरात के कुछ क्षेत्रों में आज तक कायम है, लेकिन फिर भी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-फ्रांस के वायुसेना अध्यक्षों ने फाइटर जेट उड़ाए

जोधपुर, 8 नवम्बर (कासं)। फ्रांस के वायुसेना प्रमुख स्टीफन माइल ने भारत का सुखोई फाइटर जेट उड़ाया, वहीं भारतीय वायुसेना के चीफ वी.आर चौधरी ने राफेल में उड़ान भरी। इसके

- **जोधपुर एयरबेस पर हो रहे भारत और फ्रांस के संयुक्त युद्धाभ्यास में फ्रांस के वायु सेना प्रमुख स्टीफन माइल ने सुखोई जेट और भारत के वायु सेना प्रमुख वी.आर. चौधरी ने राफेल उड़ाया।**

साथ ही युद्धाभ्यास के दौरान स्वदेशी फाइटर जेट तेजस ने भी अपना कौशल दिखाया।

जोधपुर एयरबेस पर इन दिनों दुनियाभर के देशों की निगाहें टिकी हुई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो नेता खुद को पार्टी से बड़ा समझे, वह पार्टी छोड़कर चला जाए, वर्ना पार्टी उसे गिरा देगी'

राजस्थान की गुटबाजी पर प्रियंका गांधी के सलाहकार तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र व राजस्थान में "भारत जोड़ो" यात्रा के प्रभारी, विभाकर शास्त्री ने सभी नेताओं को चेतावनी दी

जयपुर, 8 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस में चल रही गुटबाजी पर भूतपूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के पोते एवं राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के प्रभारी विभाकर शास्त्री ने कहा है कि " कोई नेता पार्टी से बड़ा नहीं है और जो व्यक्ति अपने आप को पार्टी से बड़ा समझता है तो वह खुद ही पार्टी छोड़ दे। अन्यथा पार्टी उसको गिरा देगी। यह केवल समय की बात है। पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है।" विभाकर शास्त्री कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के सलाहकार भी हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के संबंध में तैयारियां देखने आए विभाकर शास्त्री

- **विभाकर शास्त्री ने यह भी कहा कि, पार्टी से बड़ा कोई नेता नहीं होता। जो व्यक्ति अपने आप को पार्टी से बड़ा समझता है, वह पार्टी छोड़ दे।**

पहले तो राजस्थान को लेकर किए जा रहे सवालों से बचते रहे, लेकिन जब उनसे राजस्थान की गुटबाजी को लेकर बार-बार सवाल किया गया, तो उन्होंने सभी नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। कोई नेता खुद को पार्टी से बड़ा समझता है, तो उसे पार्टी छोड़कर चले जाना चाहिए। शास्त्री ने ऐसा कहकर गुटबाजी में लगे नेताओं को एक तरह से आलाकमान की ओर से संकेत देने का भी प्रयास किया है।

दूसरी ओर राजस्थान सरकार में पावर सैंट्रलाइजेशन, मंत्री और विधायकों की नहीं चलने को लेकर मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास व राजेंद्र गुढ़ा की ओर से दिए जा रहे सार्वजनिक बयानों को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने चेतावनी देते हुए कहा कि "ऐसे बयान ना दें, जिससे पार्टी का नुकसान होता हो। यह मंत्री, विधायकों की नैतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाल श्रम के आरोपी को सज़ा

जयपुर, 8 नवंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत द्वितीय ने बाल श्रम कराने वाले अभियुक्त मोहम्मद सय्यूम को 14 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 72 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि, तीस

- **बच्चों से श्रम कराने के आरोपी मोहम्मद सय्यूम को, पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 14 साल की सज़ा सुनाई और 72,000 रू. जुर्माना भी लगाया।**

जुलाई, 2015 को मानव तस्करी निरोधक यूनिट ने कोतवाली थाना पुलिस को बाल श्रम की सूचना दी थी। यूनिट की सूचना पर पुलिस ने नींदड रावजी का रास्ता स्थित मकान में दबिश दी थी। यहां पुलिस को दस बच्चे चूड़ियां बनाते हुए मिले। पूछताछ में बच्चों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मणि शंकर की भांति कांग्रेस की स्थिति अटपटी की

जैसा कि विदित है, मणि शंकर अय्यर ने मोदी की, चाय पिलाने का काम करने की अति साधारण स्थिति पर कटाक्ष कर, कांग्रेस को रक्षात्मक मुद्रा में फंसा दिया था

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरा-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। क्या कांग्रेस के लिये मणि शंकर अय्यर के "चायवाला" कटाक्ष वाली स्थिति फिर आ गई है। इस बार यह घटना कर्नाटक में उस समय घटी, जब राज्य के एक वरिष्ठ कांग्रेस ने यह प्रश्न कर दिया कि हमने एक देश के रूप में, फारसी मूल के शब्द "हिन्दू" शब्द को इतना ज्यादा महत्व आखिर क्यों दे रखा है। भाजपा ने कांग्रेस नेता की यह लूज़ बॉल झटक ली है तथा उस पर छक्का लगा रही है। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने संपूर्ण हिन्दू समुदाय का अपमान किया हैं।

- **कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष, सतीश जर्कीहोली ने भी अप्रत्यक्ष रूप से "हिन्दू" की परिभाषा की, जो काफी असम्मानजनक मानी जा सकती है।**
- **गुजरात व हिमाचल के चुनाव के पहले, इस टिप्पणी ने कांग्रेस को "हिन्दू विरोधी" होने का तमगा पहना दिया है, और यह हिन्दू व गैर-हिन्दू ध्रुवीकरण, राजनीतिक दृष्टि से भाजपा को बहुत माफिक आ रहा है।**
- **यह समझते हुए कर्नाटक में कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सुरजेवाला ने, जर्कीहोली की टिप्पणी से पार्टी की दूरी बनाई और टिप्पणी को दुर्भाग्यशाली बताते हुए, टिप्पणी को रिजैक्ट किया।**
- **कार्यकारी अध्यक्ष जर्कीहोली अडिग रहे और बोले, उन्होंने कोई गलत बात नहीं की, तथा माफी मांगने या टिप्पणी वापस लेने से साफ इंकार किया।**

शीघ्र ही होने जा रहे गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों तथा इनके कुछ समय बाद होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले, कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जर्कीहोली की यह विवादास्पद टिप्पणी कांग्रेस की संभावनाओं को बहुत ज्यादा नुकसान पहुँचा सकती है। मोदी को "चायवाला" कहकर, उनके बचपन की दीनता-हीनता का उपहास करने वाली मणि शंकर अय्यर की टिप्पणी की तरह ही, कांग्रेस नेता सतीश जर्कीहोली की इस विवादास्पद टिप्पणी ने कांग्रेस के नुकसान की एक जबरदस्त गुंजाइश पैदा कर दी है।

कांग्रेस के इस नुकसान को सुनिश्चित करने के लिये, भाजपा, उसके वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता कांग्रेस को हिन्दू-विरोधी बताते हुये, उस पर निशाना साध रहे हैं तथा उस पर बहुसंख्यक समाज के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप लगाया है।

यह निश्चित रूप से एक ऐसा विवाद है जिसके बिना ऐसे नाज़ुक मौके पर, जब ऐसे विधानसभा चुनाव होने को हैं, जो 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये वातावरण-निर्माण करेंगे, कांग्रेस आराम से अपना काम चला सकती थी। इस टिप्पणी के कुछ मिनटों के अन्दर ही, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व जर्कीहोली के खिलाफ हो गया तथा उनसे उस टिप्पणी को वापस लेने के लिये कह दिया, जो उन्होंने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुये कही थी। कर्नाटक कांग्रेस के नेता ने कहा था कि हिन्दू नाम दिया ही फारसियों ने है तथा इसका अर्थ अच्छा नहीं होता। विदेशियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़ल्ट आने के 4 माह बाद भी नहीं मिली अंकतालिका

बीकानेर, 8 नवम्बर (कासं)। राज्य के शिक्षा विभाग में सभी जिलों में संचालित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से जारी कक्षा पांचवीं व आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम आने के चार माह बाद भी विद्यार्थियों को अंकतालिका नहीं मिली।

परीक्षा परिणाम 8 जून को घोषित हुआ था। विद्यार्थियों को अभी तक मूल

- **दूसरे स्कूल में प्रवेश लेने, छात्रवृति आवेदन आदि काम अटके हुए हैं।**

अंकतालिका नहीं मिली है। इस वजह से दूसरे स्कूल में प्रवेश लेने से लेकर विभाग की ओर से मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने व आधार अपडेशन का कार्य करवाने में अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि विद्यार्थियों के पास वर्तमान में केवल ऑनलाइन अंकतालिका की प्रतिलिपि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपना जीवन लेने के लिए नहीं देने के लिए है। –स्वामी विवेकानंद

डिजिटल आभासी संसार भौतिक जगत को प्रभावित करता है

अब एक डिजिटल संसार है। मानव जिस संसार में रहता है उसे प्रकृति ने इस धरती के भौतिक जगत में रचा। विज्ञान की बड़ी छलांग लगाते हुए मानव ने भौतिक संसाधनों के जरिये डिजिटल संसार रच दिया। यह डिजिटल संसार आभासी दुनिया है जो भौतिक अस्तित्व में नहीं होते हुए भी भौतिक जगत के लिए है। अब जब संसार होगा तो संवाद, अभिव्यक्ति, विरोध और संचार भी होगा। भौतिक संसार में संचार का नियामक समाज रहा है। समाज की ही एक इकाई के रूप में राज्य की भी भूमिका रही है। समाज और राज्य अपने अनुभवों से संचार के नैतिक प्रतिमान बनाते रहे हैं। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में सामूहिक समझ से उनका नियमन होता है। मगर समाज और व्यक्ति के बीच खींचतान भी हमेशा चलती रही है। मानव की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किस सीमा तक स्वीकार्य है और मानव की समाज से अस्वीकृति किस हद तक जा सकती है, यह मुद्दा भी हमेशा बना रहा है। जोधपुर के विलक्षण बुद्धिजीवी हरीश जोशी की आधी सदी से अधिक पहले आई पुस्तक: 'सामाजिक मानव और अमानवीय समाज' ने इसे जिस प्रकार रेखांकित किया वह आज भी प्रासंगिक है क्योंकि यह वैचारिक द्वन्द्व इस समय फिर से सब को झकझोर रहा है। आभासी दुनिया की धमाकेदार उपस्थिति ने इस मुद्दे को और धार दे दी है। उत्पादों के प्रचार के लिए कंप्यूटरों के अंतर्जाल से बनी आभासी दुनिया में बाज़ार को लोक संवाद और जन संचार का कारोबार भी रास आ गया। कारोबारी कंपनियों ने उपयोगकर्ताओं को 'सोशल मीडिया' के मुफ़्त मंच उपलब्ध करा दिए जो अप्रत्याशित रूप से लोकप्रिय हो गये। इन मंचों पर लोग एक दूसरे से जुड़ें, अपनी दिलचस्पियों का साझा करें, अपनी बात कहें, किसी चीज से नाइत्तफ़ाक़ी है तो उसका विरोध करें यह अनुभव सभी को बहुत भाया। दुनिया भर में एक मर्तबा लगा कि सीमाओं की बाधा नहीं होने से कोई भी अधिनायकवादी राज्य लोक की आवाज़ को दबा नहीं सकेगा और क्रांतियां हो जाएगी। इससे राज्य के नियंताओं और अभिव्यक्ति के नये मंचों की कंपनियों के बीच स्वाभाविक ही ठन गई। राज्यों को लगता है कि आभासी दुनिया का सोशल मीडिया भौतिक जगत में लोगों को राजनैतिक, वैचारिक और धार्मिक समूहों में बांट रहा है, उनमें आपस में वैमनस्य बढ़ा रहा है।

वास्तव में आज के डिजिटल समय में कुछ भी निजी नहीं रहा है। वहां जो भी बात होती है वह अंततः सार्वजनिक हो जाती है। तब प्रश्न उठता है कि डिजिटल ज़माने में क्या जनसंचार जैसी कोई चीज होती हैं? यह तो सिर्फ संचार है। यहां हम कभी अपने आप से बात करते हैं, कभी मैसेंजर के माध्यम से किसी दूसरे से बात करते हैं। कभी हम फ़ेसबुक के माध्यम से व्यक्तियों के समूह से बात करते हैं। ट्विटर के जरिये इन सब से आगे जाकर विराट संख्या में लोगों से बात करते हैं। अब क्या बात की जाती है उससे आभासी दुनिया को कोई सरोकार नहीं होता। इंटरनेट पर लिखना और लिखे का साझा करना सरल हो गया है। मगर लेखन की शैली बदल गई है। उत्पाद की तरह ही अपनी बात को बहुतों तक पहुंचने के लिए यहां की वड्र्स लिखने पड़ते है। इससे लिखी बात को, चित्र को या वीडियो को लोकप्रिय या वायरल किया जाता है। सर्च इंजिन ऑपटिमाईजेशन का ध्यान रखा जाता है। यह कारोबार के लिए था जिसका उपयोग करना चतुर राजनेता और समाजकंटक भी सीख गये हैं। यही सब सीखते हुए सोशल मीडिया के पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालयों में आ गये हैं। इन्हीं योग्यताओं से ट्रोलिंग में बेहूदा बातें भी जम कर होती हैं। पीछे पड लिया जाता हैं किसी के। विरोध में तर्क से अपनी बात नहीं राखी जाती बल्कि व्यक्तिगत तरीके से हमला किया जाता है। कोशिश होती है कि सामने वाले की हिम्मत टूट जाए।

यह सच है कि डिजिटल सोशल मीडिया भौतिक मीडिया के विपरीत ऐसा मंच है जहां किसी का नियंत्रण नहीं है। वहां किसी भी रूप, भाषा और शैली में अपनी बात दर्ज करने के लिए हमें किसी संपादक की सहमति की दरकार नहीं होती। सोशल मीडिया के मंच (प्लेटफ़ॉर्म) चलाने वाली कारोबारी कंपनियां यह कह कर अपना पल्ला झाड़ती लेती हैं कि उन्होंने तो केवल जगह दी है वहां कौन क्या करता है उसके लिए वे जिम्मेवार नहीं हैं। क्योंकि आभासी मंचों पर कोई भी सरकार केवल अंतर्जाल के तंत्र को बंद करके ही नियंत्रण कर सकती है इसलिए अनेक सरकारें अनेक मौकों पर इंटरनेट सेवा ही बंद कर देती हैं। ऐसा करने वाले देशों की सूची में भारत का नाम तीसरे नंबर पर आता है। राजस्थान में तो परीक्षाओं के दौरान भी इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया जाना हमने देखा है। इसी माहौल में इन मंचों को नियंत्रित करने के लिए लिए दुनिया भर में और भारत में भी वैधानिक ढांचा बनाया जा रहा है। हमारे यहां इन प्लेटफ़ॉर्म को चलाने वाली दो बड़ी कंपनियां मेटा (फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि) और ट्विटर तथा शासन के बीच अदालती लड़ाइयां भी जारी है।

ट्विटर एक हाइकू की तरह है। यहां आपसे अपेक्षा होती है कि आप संक्षिप्त और प्रभावी तरीके से अपनी बात रखें। सिर्फ अपने विचारों का सारांश प्रस्तुत करें। वे लोग जो बदलते समय के साथ कदम मिलाना चाहते हैं और जानना चाहते हैं कि दुनिया कितनी तेजी से बदल रही है वे इसे अपनाते हैं तो इसी के हो कर रह जाते हैं।

सोशल नेटवर्क की माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर को चलाने वाली कंपनी और उसे खरीदने वाले एलन मस्क अभी खूब चर्चाओं में है। इस प्लेटफ़ॉर्म पर अभिव्यक्ति की निर्बाध आज़ादी को लेकर भी वैचारिक और कानूनी दोनों स्तर पर चर्चाएं गरम हैं। इस सोशल नेटवर्किंग और माइक्रो ब्लॉगिंग साइट के करोड़ों मुरीद हैं। वेब मेट्रिक्स एलेक्सा के आंकडे कहते हैं कि अमेरिका और जर्मनी के बाद भारत वह तीसरा देश है जहां लोग सबसे ज्यादा ट्विटर पर हैं। जनवरी 2022 में भारत में ट्विटर के कुल दो करोड़ 36 लाख उपयोगकर्ता थे। इंटरनेट पर कारोबार का आकलन करने वाली कंपनी कॉमस्कोर इंक इससे आगे बढ़कर जनकारी देती है। कंपनी का कहना है कि भारत में ट्विटर का इस्तेमाल करने वाले ज्यादातर लोग 15 से 24 साल के बीच के हैं। बेशक, ट्विटर का इस्तेमाल करने वाले ज्यादातर लोग युवा हैं लेकिन ये वे लोग नहीं जो ट्विटर पर सबसे ज्यादा असर छोड़ते हैं। ट्विटर को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले लोगों की उम्र 30 साल या उससे ज्यादा है। ये लोग मीडिया, राजनीति और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। ये वे लोग हैं जिनके विचारों से लोग प्रभावित होते हैं, जिनकी लिखी हुई बातों को लोग पढ़ना चाहते हैं। ट्विटर की खास बात यही है कि यहां आपको कम शब्दों में बहुत कुछ कहना होता है। ट्विटर पर उपयोगकर्ता को स्पेस, फ्रीडम और च्वाइस मिलती है। वहां कोई संपादक नहीं है। यहां राजनीति के खिलाड़ी ही नहीं किसी भी समसामयिक मुद्दे पर जम कर विचार प्रकट करने वाले लोग भी मौजूद हैं।

ट्विटर को यह नाम उसके जन्मदाता जक डोरसी ने इसलिए दिया था क्योंकि उनकी कंपनी चाहती थी कि दुनिया भर की उत्तेजना, व्यग्रता और बेचैनी को कैद किया जा सके। शब्दकोश में ट्विटर का अर्थ है– चिड़ियों की चहचहाहट। इस साइट के लिए यह नाम इसलिए अच्छा था कि एसएमएस टाइप संदेशों के माध्यम से लोग अपनी बात लोगों को पहुंचा सकें– एक समूह में ट्विट कर सकें। उनकी चहचहाहट इंटरनेट की दुनिया में गूंजे। जब ट्विटर की शुरुआत हुई, तब इस पर ट्विट करने वालों का मकसद सिर्फ नेटवर्किंग और दोस्त बनाना था। वे बेमतलब की बातें भी किया करते थे। अब भी फ़िल्म अभिनेत्रियां या सेलेब्रिटीज़ अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के बारे में बातें कर लिया करते हैं जो खूब हिट होती हैं क्योंकि उनकी जिंदगी में दिलचस्पी लेने वालों की कमी नहीं। लोगों का कहना है कि शॉर्ट मैसेज, यानी अधिक से अधिक 140 शब्दों में अपनी बात कहने की कला, बहुत प्रभावी होती है। 'ट्विटर आपको बाध्य करता है कि आप अपनी बात टू द प्वाइंट कहें। हालांकि बहुत से लोग जो अपने लंबे लेख साझा करना चाहते हैं वे अपने लेखों के लिंक्स दे कर रास्ता निकाल लेते हैं। किसी ने कहा है कि ट्विटर एक हाइकू की तरह है। यहां आप से अपेक्षा होती है कि आप संक्षिप्त और प्रभावी तरीके से अपनी बात रखें। सिर्फ अपने विचारों का सारांश प्रस्तुत करें। वे लोग जो बदलते समय के साथ कदम मिलाना चाहते हैं और जानना चाहते हैं कि दुनिया कितनी तेजी से बदल रही है वे इसे अपनाते हैं तो इसी के हो कर रह जाते हैं। उन्हें बहुत से फॉलोअर्स मिल जाते हैं जो इसे उनके लिये नशा बना देते हैं।

ट्विटर पर दुनिया के लगभग सभी प्रमुख राजनेताओं की उपस्थिति दर्ज है और अब बड़े राजनेता प्रेस विज्ञिप्तयां जारी करके अपनी बात अपने फॉलोअर्स तथा अन्य तक नहीं पहुंचाते बल्कि इस प्लेटफ़ॉर्म से सीधे ही लोगों तक पहुंचाते हैं। अब तो सरकारें भी अपनी नीतियों तथा कार्यक्रमों की घोषणाएं ट्विटर पर ही करती हैं। परंपरागत मीडिया के संपादकों का दखल और उनका रुतबा इस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से समाप्त हो गया है। मीडिया रिपोर्टरों को भी यह बहुत मुफीद आया है। ट्विटर यूजर्स की टिप्पणियां और सवाल, उनकी रिपोर्टों के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश ट्विटर उपयोगकर्ता सुपर सक्रिय नहीं होते हैं। इसका मतलब है कि ज्यादातर लोग ट्विटर का इस्तेमाल कुछ देने की बजाय उपभोग करने के लिए कर रहे हैं। उन्हीं के दिमागों को प्रभावित करने के लिए विशेष समूह सक्रिय रहते हैं। डेटा से पता चलता है अमेरिका में 10 प्रतिशत ट्विटर उपयोगकर्ता सभी अमरीकी उपयोगकर्ताओं के 92 प्रतिशत ट्वीट्स के लिए ज़िम्मेदार हैं, जिसका अर्थ है कि उपयोगकर्ताओं का एक विशेष रूप से सक्रिय समूह सामग्री का एक बड़ा हिस्सा वहां डाल रहा है। यही कहानी भारत और अन्य जगहों की है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

कलम वाले नक्सली, कैसे???

"बन्दूक वाले नक्सली हों या कलम वाले, सबका हल खोजें" यह ,29 अक्टूबर 22 के, जयपुर के एक प्रमुख हिंदी अखबार के प्रथम पेज पर शीर्ष हैडिंग है। प्रधान मंत्री के अनुसार......"नक्सलवाद को खत्म करना होगा वह चाहे बन्दूक वाले नक्सली हो या कलम वाले।"

जयपुर से ही प्रकाशित एक शीर्ष अंग्रेजी अख़बार नें इसे कुछ यों छापा है:-" every form of Naxalism,-- with guns or--with pens, be uprooted to prevent them from misleading the youth.--- warned that such forces are increasing their intellectual shere to pervert the minds of coming generations.-- can not be allowed to flourish for-- unity and integrity --nation."

हर कोई सहमत होगा कि हथियार से मसलों का हल करने वाले अपराधी होते है। हिंसा जब पूरे समाज के बड़े हिस्से को एक साथ, लगातार प्रभावित करने लगे तो यह आतंकवाद है।

लोकतंत्र में सशस्त्र क्रांति की जरूरत नहीं होती। वोट से सरकार बदली जा सकती है। किन्तु यदि सरकार अन्याय पर उतर आए, मनमानी करे अथवा गलत तरीके से वोट लेकर सत्ता हासिल करे तो क्रांति भी हो सकती है लेकिन यह जनक्रांति होनी चाहिए। लोकतंत्र में जनबल ही सरकार को हटा सकता है।

लेकिन कलम से नक्सलवाद कैसे? कलम से तो विचार निकलते है। विचार अच्छे, खराब, हिंसा उकसाने वाले, नफरत फैलाने वाले हो सकते है। खराब, हिंसा, नफरती विचारों से कोई अपराध का रास्ता पकड़ता है तो ऐसे अपराधों से निपटने के लिए कानून बने हुए हैं।

आवश्यकता इन कानूनों के अनुसार शीघ्रता से, सख्ताई से, सही सही, निष्पक्ष कार्यवाही करने की है।

क्या है नक्सलवाद?

क्या अलगाववादी आतंकी और तथाकथित नक्सली एक जैसे ही है?

बंगाल के गांव नक्सलबाड़ी से प्रारम्भ नक्सलवाद, भूमि मालिकों–जमीदारों के खिलाफ भूमि जोतने वालों का आंदोलन था। आंदोलन माओवादी कमन्युस्टों की विचारधारा से प्रभावित था।आंदोलन शांतिपूर्वक नही रहा और हिंसक हो गया। वर्तमान में नक्सली सामान्यत्या सरकारी कर्मचारियों, पुलिस वालों को निशाना बनाते है।

नक्सली सामान्यतः केवल उन अदिवासियों व अन्य नागरिकों को ही निशाना बनाते हैं , जिनके बारे में मुखबिरी करने का संदेह हो । सरकार इस समस्या का समाधान केवल पुलिस व अर्ध सैनिक बलों की गोलियों के माध्यम से ढूंढ रही है।

यक्ष प्रश्न यह है कि क्या गोली से समाधान निकलेगा?

5 दशक का लम्बा समय बीत गया। सैंकड़ों पुलिस वाले व नागरिक इन संघर्षों की भेंट चढ़ गए––समाधान तो निकला नहीं !!

नक्सलवाद और आतंकवाद में भारी अंतर है। नक्सली, साधारणतया नागरिकों के दुश्मन नहीं हैं जबकि आतंकवादी शास्त्रबलों, राज्य के कर्मचारियों के साथ –साथ और मुख्यतया निरपराध जनता में खौफ फैलाने और मारने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी देश से अलगाववाद का रास्ता अपनाते है व कई बार पड़ोसी देशों के उकसावे व अपरोक्ष समर्थन से ऐसा करते हैं।

नक्सलवाद वस्तुतः एक हिंसक वर्ग संघर्ष था और अब भी समय समय पर होने वाली हिंसक घटनाएं की जड़ में वर्ग संघर्ष ही है।

आजादी के बाद पीजेंटरी व खेतिहर मजदूर क्लास को यह उम्मीद थी कि उन्हें उन जमीनों का मालिक बना दिया जाएगा जिस पर वे पीढ़ियों से, राजे, रजवाड़ों, जमींदारों के लिए काम कर रहे थे। किसानों की दिक्कतों को पहचानने वाले माणिक्यलाल वर्मा, बलदेव राम मिर्धा, कुभा राम जी, सरदार हरलाल सिंह व अन्य बहुत से अग्रणी किसान नेता थे। यहां भी किसान आंदोलन हुए। बिजोलिया के आंदोलन से तो सब परिचित है। अन्य कई स्थानों पर भी आंदोलन हुए। डीडवाना का डाबड़ा कांड, झुंझुनू में करणी राम, रामदेव के बलिदान, सीकर का गोठड़ा कांड जैसी कई हिंसक घटनाओं के बावजूद 1948 से 1956 के मध्य अनेक भूमि सुधार कानून बने और शीघ्रता–दृढता–ईमानदारी से लागू हुए। अगर यह कानून लागू नहीं होते तो बहुत मुमकिन है कि यहां भी हिंसक वर्ग संघर्ष होते जैसे बंगाल, बिहार में हुए।

महावीर सिंह

इस समस्या को केंद्र सरकार ने समझा। कृषि भूमि सीलिंग कानून बनाने के लिए राज्यों पर दबाव बनाया और लागू करवाए। यधपि बड़े जमीदारों के विरुद्ध बड़ी मंथर गति से इनका क्रियान्वयन हुआ। कहीं–कहीं, अनेक प्रकार के हथकंडे अपना कर अब भी कई बड़े जमींदार है किंतु वे गिनती के हैं।

कुछ सुझावः–

नक्सलियों के संदर्भ में बोले जाने वाले, सो कॉल्ड रेड कॉरिडोर के आदिवादियों और अन्य वनवासियों की भी बहुत ही जायज समस्याएं थी और अब भी है। उनके द्वारा जोती जा रही वन भूमियों पर उन्हें अधिकार देने का काम अनिच्छया व मंथर गति से हो रहा है। इसमें समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूर्ण किया जाए बहुत से वन क्षेत्रों के सीमांकन के समय वनों में रहने वालों के जोत के क्षेत्रों व अन्य वन अधिकारों की सही पहचान नही हुई। इस कारण इनका शोषण हुआ और हो रहा है।

■ वर्तमान में नक्सली सामान्यतया सरकारी कर्मचारियों, पुलिस वालों को निशाना बनाते हैं

आदिवासी क्षेत्रों में पर्यावरण कानूनों का सही सही पालन हो। बड़े उद्योगों, खनन क्षेत्रों की स्वीकृतियां आनन फानन में नहीं होकर पर्यावरण नुकसान के पूर्ण मूल्यांकन व पुनर्वास योजना के लागू होने के बाद हो।

मिड डे मील योजना के क्रियान्वयन में सुधार–उसका विस्तार हो।वन क्षेत्रों में रहने वालों में से ही स्वास्थ्य कर्मियों, आंगनबाड़ी की सखी–साथिनों की अधिकाधिक नियुक्तियां हों। सरकारी कार्यालयों व व्यवसाय–उद्योंगों में अधिकाधिक अदिवासियों का सद्भावना से (खानापूर्ति के लिए नहीं) नियोजन हो। सरकारी अधिकारियों–कर्मचारियों के अधिक से अधिक दौरे, रात्रि विश्राम भी कॉन्फिडेंस बिल्डिंग के आवश्यक अंग हैं।

चंबल के बीहड़ों में डाकुओं की समस्या थी। गोली से तो समाधान नहीं हुआ। गोली की आड़ में तो कई नए शहरी और कर्मचारी–अधिकारी डाकू पनप गए । समाधान व शांति के लिए गांधीवादियों के प्रयासों को ही सफलता मिली। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी बहुत से लोग–संस्थाए वन क्षेत्रवासियों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास कर रहे है। इनके माध्यम से नक्सलियों से वार्ता समाधान का मुख्य रास्ता हो, गोली का रास्ता पीछे रखा जाए।

जब कश्मीर समस्या पर वार्ताओं का दौर पर दौर चल सकता है तो फिर नक्सलियों से क्यों नहीं? नक्सली तो कोई अलग देश भी नहीं चाहते।

राज व्यवस्था के एक्शन ही सदैव सही नही माने जा सकते। इतिहास गवाह है हर राजव्यवस्था अपनी असफलताओं, ज्यादतियों, आत्ममुघता के कारण समाप्त होते आई है। तत्कालीन राजव्यवस्थाओं ने तो मुगल शासन के खिलाफ जाटों की बगावत, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को, जलिया वाला बाग, मानगढ़ व अन्याय के विरुद्ध उठे अन्य कई आंदोलन व उनसे उपजी हिंसक घटनाओं को राजद्रोह ही माना था। राजव्यवस्था, उसके द्वारा पोषित वर्ग की ज्यादतियां बढ़ जाती है तो उनकी आवाज बनने वाला कोई गोकुल जाट, कोई मंगल पांडे, कोई वीर शिवाजी प्रगट होते ही रहे हैं।

ओर पीछे जाएं तो, श्री कृष्ण के नए विचारों से ही कंस–जरासंध के अत्याचारी शासनों का अंत हुआ, चाणक्य के नए विचारों से महानन्द के अत्याचारी शासन का अंत हुआ। कंस, जरासन्ध, महानन्द के लिए भी भगवान कृष्ण, चाणक्य तो राजद्रोही ही रहे होंगे। कलम से उपजा यूरोपीय पुनर्जागरण, फ्रांस की क्रांति, समाजवाद–साम्यवाद विचारधाराएं भी तत्कालीन राजव्यवस्थाओं के लिए राजद्रोह ही थी। ईरान में हिजाब को लेकर आजकल जो रहा, उसे राजद्रोह–नक्सलवाद मान सकते हैं क्या? भूतकाल से लेकर वर्तमान तक के अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं। इसलिए कलम से निकले विचार सदैव के लिए आतंक–नक्सलवाद से नही जोड़े जा सकते। आवश्यकता सद्भाव–निरपेक्ष भाव से जनता की समस्याओं को सहानुभूति से समझने और समाधान की है। संकुचित, पूर्वाग्रहों पर आधारित अवधारणाओं और मात्र बलप्रयोग से नक्सलवाद समाप्त नहीं हो सकता।

महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

प्रियंका खीचड़ सीओ गाइड परीक्षा में राजस्थान टॉपर

प्रियंका का सीओ गाइड जयपुर ऋतु ने माला पहनाकर स्वागत किया।

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में 20 व 21 अक्टूबर को आयोजित राज्य स्तरीय सीओ गाइड चयन प्रतियोगी परीक्षा में सिरियासर खुर्द निवासी महावीरसिंह की पुत्री प्रियंका खीचड़ ने राजस्थान प्रदेश में सर्वाधिक अंक पाकर सीओ गाइड परीक्षा ऊतीर्ण की । प्रियंका के राजस्थान टॉप करने पर उन्हें राज्य सचिव डॉ. पीसी जैन द्वारा सीकर जिला आवंटित किया गया। मंडल मुख्यालय जयपुर ट्रेनिंग के लिए प्रियंका ने ज्वॉइन कर लिया। ज्वॉइन करने पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त जयपुर नीता शर्मा, सीओ गाइड जयपुर ऋतु शर्मा ने माला पहनाकर, मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया।

प्रियंका बचपन से ही स्काउट गाइड संगठन से जुड़ी रही। प्राथमिक शिक्षा अपने ननिहाल भारु से पूरी करने के बाद कॉलेज शिक्षा रामादेवी महिला महाविद्यालय नूआं से पूरी की तथा राष्ट्रपति अवार्ड पुरस्कार प्राप्त किया। रामादेवी महिला महाविद्यालय में रहते हुए प्रियंका ने भारतवर्ष का प्रतिनिधित्व करते हुए पाकिस्तान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिविर में सहभागिता की उसके बाद जिला मुख्यालय झुंझुनूं पर रेंजर लीडर के रुप में कार्य किया। खीचड़ के चयन पर उनके गांव सिरियासर खुर्द व ननिहाल भारु में खुशी का माहौल है । नवनियुक्त सीओ गाइड प्रियंका ने अपनी सफलता का श्रेय अपने नाना स्वर्गीय जवाहरलाल ईसरवाल, नानी, माता–पिता तथा भाई बहन एवं झुंझुनूं जिले के पूर्व सीओ मान महेंद्र सिंह भाटी तथा वर्तमान सीओ महेश कालावत को दिया। झुंझुनूं जिले के स्काउट गाइड कमिश्नर्स, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, स्थानीय संघ के सचिवों तथा अनेक स्काउटर्स, गाईडर्स ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

पी.डब्ल्यु.डी. मंत्री जाटव के क्षेत्र में ही बन रहीं घटिया सड़कें

घटिया सड़क निर्माण को दिखाते स्थानीय ग्रामीण।

वैर (निस) । पी डब्लू डी मंत्री भजन लाल जाटव के विधानसभा इलाके में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सड़क बनाने का काम चल रहा है । लोगों का कहना है विधानसभा वैर से विधायक भजन लाल जाटव राजस्थान सरकार में पी डब्लूडी मंत्री हैं । जहां बनाई जा रही सड़कों में घटिया क्वालिटी को लेकर स्थानीय लोग विरोध जताने लगे हैं । जिले के कई विधायक अब तक कई बार सवाल उठा चुके हैं । इसके बावजूद भी ठेकेदारों द्वारा घटिया निर्माण सामग्री से सड़कें बनाई जा रही हैं। मंगलवार को विधानसभा मुख्यालय पर भुसावर रोड से सीर सरकार इलाके में रात्रि में ठेकेदार ने घटिया सामग्री से सड़क बनाई । उसे जब सुबह आस–पास के खेतों में काम करने पहुंचे लोगों ने देखा तो जगह –जगह से कुत्तों ने ही सड़क को खोदकर ठेकेदार के निर्माण कार्य की पोल खोल दी । सूचना पर कनिष्ठ अभियंता मनोज धाकड़ ने सड़क का निरीक्षण किया । लोगों ने सड़क की स्थिति बताई तो ठेकेदार के श्रमिकों को फटकार लगाई।

कार्तिक पूर्णिमा पर देवयानी सरोवर में लोगों ने स्नान कर पूजा–अर्चना की

सांभरझील, (निसं)। सभी तीर्थों की नानी के नाम से विख्यात मां देवयानी सरोवर में कार्तिक माह के अवसर पर अब तक हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को चंद्रग्रहण होने के कारण सूतक लगने से पहले सैकड़ों की तादाद में महिला श्रद्धालुओं ने सरोवर पर स्थित घाटों पर स्थित अनेक देवी देवताओं के प्राचीन मंदिरों में पूजा अर्चना कर अपने परिवार की खुशहाली के लिए कामना की। यहां पर अनेक जगहों से आकर लोगों ने अपनी दुकानें सजाई जहां पर खरीदारी करने वालों की अच्छी खासी भीड मौजूद रही।

देवयानी सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने सुबह जल्दी स्नान किया

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवयानी सरोवर के प्राचीन वैभव व उसकी नष्ट होती आभा को बचाने के लिए 2005 से वर्ष 2018 तक केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से अलग–अलग चरणों में अब तक इस पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं। देवयानी के घाटों पर बने विभिन्न मंदिरों के रंग रोशन, जीर्णोद्धार व अनेक विकास कार्यों के नाम पर पर्यटन और पुरातत्व विभाग ने सिर्फ लीपापोती ही की है। धार्मिक स्थलों पर सरकार की ओर से मंजूर किए गए करोड़ों रुपए व करवाए गए विकास कार्यों की सही प्रकार से कोई मॉनिटरिंग हुई।

यूजीसी नेट व जेआरएफ में देवेंद्र यादव प्रदेश में अव्वल

खैरथल, (निसं)। प्रदेश के उद्योग विभाग में सेवारत देवेंद्र कुमार यादव ने यूजीसी नेट व जेआरएफ में 99.06 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राजस्थान में पहला व देश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। हुलमाणा मुंडावर निवासी स्व. रामकरण यादव के बेटे के अभिभावक खैरथल के आदर्श नगर निवासी इंजीनियर जयसिंह यादव ने बताया कि उनका भतीजा देवेंद्र कुमार यादव प्रारंभ से ही पढ़ाई में होनहार रहा है। उद्योग आयुक्त जयपुर में ड्यूटी कर रहे देवेंद्र कुमार यादव की इस सफलता पर सभी क्षेत्रवासियों द्वारा उन्हें उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बधाइयां दी जा रही है।

■ देवेंद्र कुमार यादव ने यूजीसी नेट व जेआरएफ में 99.06 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 9 नवम्बर, 2022

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 3:09 तक, वारियान योग रात्रि 9:17 तक, कौलव करण सांय 4:18 तक, चन्द्रमा प्रातः 7:58 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–तुला, चन्द्रमा–मेष, मंगल–मिथुन, बुध–तुला, गुरू–मीन, शुक्र–तुला, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। आज अशून्य शयन व्रत है। पदमक योग रात्रि 3:04 तक है। आज तीर्थराज पुष्कर में स्नान दान विशेष महात्त्मय है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:28 तक, शुभ 10:49 से 12:10 तक, चर 2:53 से 4:14 तक, लाभ 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:10 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 5:37

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य में भाग ले सकते हैं। परिवार में सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। शुभ–मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार होगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वॉलीबॉल टीम के एक ओर खिलाड़ी ने उपचार के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

अजमेर, (कासं)। ब्यावर रोड स्थित बकरा मंडी के समीप 6 नवंबर को खिलाड़ियों से भरी कार पलटने के मामले में मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती गंभीर रूप घायल एक ओर खिलाड़ी की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक छात्रों के परिजन समेत घायल छात्रों के परिजन सहित जनप्रतिनिधियों ने भी अस्पताल के मुर्दाघर पहुंचकर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

छात्र की मौत के बाद धरने पर बैठे पूर्व मंत्री व विधायक डॉ वासुदेव देवनानी, डिप्टी मेयर नीरज जैन ने कहा कि स्कूल मालिक व स्कूल प्रशासन को यहां बुलाया जाये। देवनानी ने कहा कि स्कूल प्रशासन हो या फिर स्कूल मालिक व स्कूल प्रिंसिपल जो भी इस हादसे में दोषी पाये जाते है उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये।

मेघवंश समाज के जिलाध्यक्ष रमेश मेघवाल ने कहा कि इस मामले में स्कूल प्रशासन की लापरवाही थी कि उन्होंने खिलाडियों को मसूदा ले जाने के लिये निजी वाहन लिया ओर क्षमता से अधिक छात्रों को बैठाया ओर स्कूल का पीटीआई उक्त वाहन को चला रहा था। मेघवाल ने कहा कि मृतक छात्र अनुज को आर्थिक सहायता दिलवाई जाये ओर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही जाये, अन्यथा मेघवंश समाज आंदोलन करने पर मजबूर होगा।

विधायक वासुदेव देवनानी और डिप्टी मेयर नीरज जैन ने अस्पताल के मुर्दाघर पहुंचकर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया और कार्यवाही की मांग की।

- छात्रों के परिजन ने स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग की
- कार पटलने के मामले में अब तक दो छात्रों की मौत

अजमेर के कोटड़ा स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल की वॉलीबॉल टीम और कोच 6 नवंबर को सुबह मैच खेलने के लिए मसूदा जा रहे थे, इसी बीच बकरा मंडी के पास कार बिजली के पोल से टकराने के बाद तीन बार पलटी खा गई थी। इस दौरान यश दिवाकर की मौके पर ही मौत गई थी, जबकि मंगलवार को घायल छात्र फायसागर रोड नृसिंहपुरा निवासी अनुज कुमार सुवाल पुत्र विजय कुमार सुवाल की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजन सहित घायल छात्रों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे और मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर शव उठाने लेने से इंकार कर दिया।

पूर्व मंत्री और विधायक वासुदेव देवनानी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, कांग्रेस नेता राजकुमार जयपाल व पार्षदों सहित परिजन अस्पताल में धरने पर बैठे। उनकी मांग थी कि स्कूल प्रशासन को मौके पर बुलाए और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाए। अस्पताल में विरोध प्रदर्शन को देखते हुए तहसीलदार प्रीति चौहान और कार्यवाहक एसडीएम अमिता भी मौके पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित लोगों ने उनसे बात करने से मना कर दिया और मौके पर जिला कलेक्टर को बुलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब तक कलेक्टर नहीं आते तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इसके बाद अतिरिक्त जिला कलेक्टर भावना गर्ग पहुंची और लोगों ने स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग और सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की। एडीएम सिटी गर्ग ने कलेक्टर द्वारा पुलिस व प्रशासन की स्तर पर अलग अलग कार्रवाई करने का आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। इस दौरान स्कूल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए रामगंज थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। अस्पताल में मौके पर नॉर्थ सीओ छवि शर्मा, रामगंज थाना प्रभारी सतेन्द्रसिंह नेगी, सिविल लाइन थाना प्रभारी दलवीरसिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

विधायक वासुदेव देवनानी और डिप्टी मेयर नीरज जैन ने हादसे को लेकर जिला प्रशासन को भी आरोपों के घेरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि शहर की सडकें टूटी फूटी पड़ी है, सडकों पर डामरीकरण नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। हाईकोर्ट के एक निर्णय के अनुसार पीडब्ल्यूडी को इस हादसे में मुआवजा राशि देने चाहिये।

मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान के विधायक वासुदेव देवनानी, डॉ राजकुमार जयपाल, डिप्टी मेयर नीरज जैन, षार्षद भारती श्रीवास्वत, रमेश सोनी, कुदंन वैष्णव समेत करीब 15 पार्षद व मृतक छात्र के परिजन समेत मेघवंश समाज के लोग मौजूद रहे।

देह व्यापार में लिप्त मुख्य आरोपी आठ माह बाद गिरफ्तार

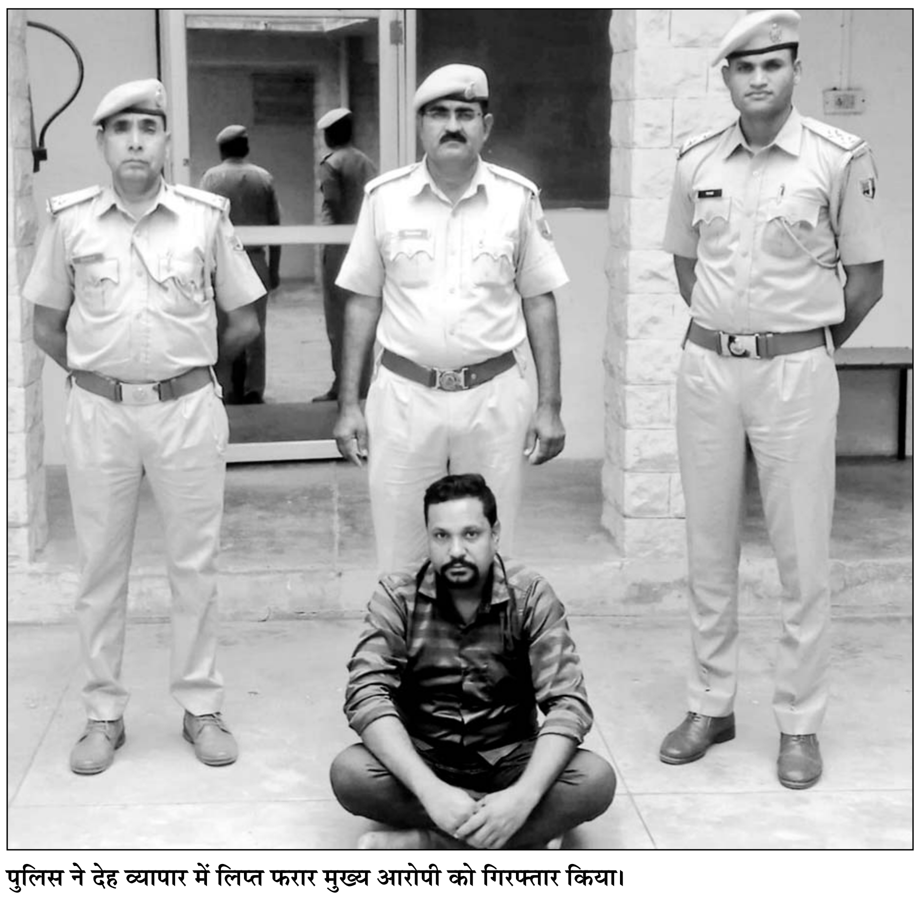

पुलिस ने देह व्यापार में लिप्त फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

नागौर, (निसं)। पुलिस उपाधीक्षक मय टीम ने फरवरी माह में बीकानेर रोड पर एक स्पा हाउस में दबिश देकर देह व्यापार में लिप्त 7 जनों को पकडा था। मुख्य आरोपी तब से फरार चल रहा था जो पुलिस की पकड में आ गया।

- पाली जिले का है आरोपी, फलौदी में पुलिस के हाथ आया
- पुलिस टीम ने फरवरी में स्पा हाउस में दबिश देकर देह व्यापार में लिप्त 7 जनों को पकड़ा था

नागौर कोतवाली थानान्तर्गत बीकानेर रोड पर एक स्पा सेंटर के नाम पर वेश्यावृत्ति कराने का मुख्य आरोपी आठ माह बाद पुलिस के हाथ आया है। कोतवाली पुलिस ने स्पा सेंटर के मुख्य संचालक को जोधपुर जिले के फलौदी कस्बे से पकडा है। इस प्रकरण में पुलिस ने फरवरी माह में दबिश देकर 7 जनों को गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी लंबे समय से फरार था मगर कोतवाली थानाधिकारी मय टीम की लगातार जांच पडताल के बाद आरोपी को को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि 17 फरवरी 2022 को नागौर के पुलिस उपाधीक्षक विनोद कुमार सीपा ने बीकानेर रोड स्थित स्वामी बुधा स्पा हाउस पर बाहर से लडकिया बुलाकर देह व्यापार कराने की सूचना मिली थी।

इस पर सीपा के नेतृत्व में एक पुलिस ने स्वामी बुधा स्पा हाउस पर छापा मारा तो यहां 7 जनों को देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था लेकिन स्पा सेंटर का मुख्य संचालक उस समय पुलिस के हाथ नहीं आया। पुलिस ने मामला अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत दर्ज किया। उसके बाद पुलिस समय समय पर मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास करती रही मगर आरोपी हाथ नहीं आया। जिला पुलिस अधीक्षक राममर्ति जोशी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा व सीओ विनोद कुमार सीपा के निकटतम सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी हनुमान सिंह चौधरी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए।

देह व्यापार मामले का मुख्य आरोपी गजेन्द्र राव पुत्र सूरजमल जाति राव मूल रूप से पाली जिले की बाली तहसील के गांव कुम्हारों का जाव फालना का वाशिंदा है। उसे पुलिस ने अब जोधपुर जिले के फलौदी कस्बे से गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हनुमानसिंह व उनकी टीम आसूचना व तकनीकी सहायता से आरोपी की लोकेशन खंगाल रही थी। आखिर 8 माह बाद आरोपी पुलिस के हत्थे चढ गया।

अवैध रिश्ते में बाधक बन रहे बालक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नागौर, (निसं)। अवैध संबंधों में बाधक बन रहे एक 11 वर्षीय बालक का एक युवक ने मोबाइल दिलाने का लालच देकर अपहरण किया और बाद में उसे मौत के घाट उतार देने का मामला सामने आया है। युवक ने बालक के शव को छोटीखाटू के पास रेलवे ट्रैक पर फैक दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। देर शाम पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनो को सौंप दिया।

- पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर खुलासा किया

जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि परिवादी चांदसिंह पुत्र कानसिंह रावणा राजपूत निवासी तितरी ने दी रिपोर्ट में बताया कि उसके भाई राजूसिंह के 11 वर्षीय पुत्र नवदीपसिंह को 7 नवंबर को सीताराम पुत्र मदनलाल मेघवाल मोबाइल दिलाने का लालच देकर अपहरण कर ले गया था। अब बालक का शव छोटीखाटू के आगे रेल पटरियों पर मिला। खुनखुना पुलिस शव को कब्जे में लेकर राजकीय चिकित्सालय बडीखाटू में पोस्टमार्टम के लिए लेकर आई तो 8 नवंबर को परिवादी चांदसिंह ने सीताराम मेघवाल पर हत्या का आरोप लगाया। हत्या का मामला संज्ञान में आते ही जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने डीडवाना के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विमलसिंह नेहरा व डीडवाना सीओ गोमाराम के सुपरविजन में लाडनूं थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह व खुनखुना थानाधिकारी बनवारीलाल के नेतत्व में दो टीमों का गठन कर मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए। जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने 11 वर्षीय बालक के अपहरण कर उसकी हत्या करने को गंभीर प्रवृत्ति का मामला मानते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस पर दोनों पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध सीताराम उर्फ सुरेश पुत्र मदनलाल मेघवाल निवासी छोटूखाटू को अनुसंधान के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर दस्तयाब कर पूछताछ की तो उसने बालक नवदीप सिंह का अपहरण कर हत्या करना स्वीकार कर लिया। इस पर आरोपी सीताराम उर्फ सुरेश मेघवाल को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार अनुसंधान में यह सामने आया कि आरोपी सीताराम मेघवाल व मृतक बालक की मां के बीच पिछले एक साल से जान पहचान होने के चलते अवैध रिश्ते बन गए थे। अवैध रिश्तों में मृतक बालक बाधक बन रहा था। जिसको रास्ते से हटाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से साजिश रचकर उसे नए मोबाइल दिलाने का लालच देकर पहले अपहरण किया गया और बाद में उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए उसे रेलवे ट्रेक पर फैंक दिया गया। मगर एसपी पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस त्वरित कार्रवाई में लाडनूं थानधिकारी सुरेन्द्र सिंह, खुनखुना थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा सहित लाडनूं के कांस्टेबल गोपालराम, रामधन, खुनखुना के हैड कांस्टेबल छोटूराम, कांस्टेबल कैलाश रोज व डीडवाना के कांस्टेबल रिछपाल आदि शामिल थे।

अवैध 160 गैस सिलेंडर जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में स्थित कार्गो कार्यालय पर पुलिस ने दबीश देकर 160 अवैध गैस सिलेण्डर जब्त किए। टीम ने कार्यवाही करते हुए सवीना सब सिटी सेंटर पर स्थित आर के कार्गो कार्यालय पर दबीश देकर खाली गैस के 160 सिलेण्डर पाए गए। पूछताछ में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने धारा 102 में सिलेण्डर जब्त कर मामला दर्ज किया।

बदमाशों ने युवक के प्राइवेट पार्ट में मिर्ची पाउडर डाला तथा मारपीट की

मांडलगढ, (निसं)। मांडलगढ थाना क्षेत्र के श्यामपुरा इलाके में करीब एक सप्ताह पूर्व दबंगों ने एक युवक को अर्धनग्न कर प्राइवेट पार्ट में पहले मिर्ची पाऊडर डाला। फिर लाठी ओर डंडों से मारपीट की गई। इस बर्बरता पूर्ण घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में पीडित के पिता की रिपोर्ट पर चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है ओर आरोपियों की तलाश में जुट गई हैं।

- घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल
- पीड़ित की रिपोर्ट पर 4 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

मांडलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक कीर्ति सिंह ने बताया कि मांडलगढ थाना क्षेत्र के श्यामपुरा पुलिस चौकी इलाके में यह घटना 3 नवम्बर की हैं। घटना के बाद पीडित पक्ष की ओर से पुलिस को कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। घटना सामने आने के बाद तुरंत पीडित से मांडलगढ थानाधिकारी मनोज जाट ने हनुमान नगर थाना क्षेत्र में पीडित से सम्पर्क कर रिपोर्ट ली और चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पीडित युवक के भाई खोहरा कलां थाना हनुमान नगर निवासी राकेश मीणा ने बताया कि श्यामपुरा के जालम की झोंपडियां के रहने वाले बदमाशों उसके भाई का बिजोलिया से ट्रेक्टर लेकर आते समय रास्ता रोक कर पकड लिया और रस्सी से हाथ बाँध लाठी डंडों से मारपीट की। रात भर उसके भाई राहुल मीणा को अर्द्ध नग्न कर प्राइवेट पार्ट में मिर्ची डाल जंगल मे ले जाकर बर्बरता से मारपीट की। बदमाशों ने पीडित युवक के भाई राकेश कुमार को फोन कर मौक़े पर बुलाया और पीडित युवक को छोडने के बदले ढाई लाख रुपए की माँग की गई। खोहरा कलां से आए पीडित के भाई और परिजनों ने बदमाशों से उक्त राशि देने में असमर्थता जताई। काफी जद्दोजहद के बाद पीड़ित के भाई से बदमाशों ने 70 हजार रुपए वसूल कर स्टाम्प पेपर पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने की बात लिखवाई गई।

इसके बाद दबंगों ने पीडित युवक को देवी देवता की सोगन्ध खिलाई ओर रस्सी से बंधे हाथ खोल कर छोडा गया ओर श्यामपुरा इलाके में दोबारा नहीं आने की धमकी बदमाशों ने पीडित युवक को दी। पीडित युवक की हालत इतनी गम्भीर हो गई कि उसे चलने फिरने में दिक्कत आ रही हैं ओर दबंगों की बर्बरता पूर्वक घटना से अभी भी ख़ौफ़ में हैं। इस मामले में पीडित युवक राहुल मीणा के पिता प्यारा राम मीणा निवासी खोहरा कला थाना हनुमान नगर ने मांडलगढ थाने में रमेश चंद मीणा नयागांव (बिजौलियां), दुर्गेश मीणा, बीरालाल मीणा व रमेश मीणा जालम की झोंपडीया (मांडलगढ)के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मांडलगढ थानाधिकारी मनोज सिंह जाट ने बताया कि घटना की सूचना किसी ने थाने पर नहीं दी थी। जानकारी मिलते ही सोमवार रात्रि में ही पीडित की रिपोर्ट दर्ज कर युवक का मेडिकल चेकअप करा कर बयान दर्ज किए है और आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हैं। घटना में लिप्त आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रोड का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा ने उमरड़ा से बागदडा तक रोड का शुभारंभ किया। इस दौरान सरपंच हीरालाल मीणा, प्रमोद मेनारिया (पार्षद नगर निगम) ईश्वरदास वैष्णव ओबीसी प्रकोष्ठ गिर्वा ब्लॉक अध्यक्ष) व कांग्रेस कार्यकर्ता एडवोकेट प्रभूलाल आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण स्वीकृति सूचना

एम.एल.नं.58/2018 खनिज ग्रेनाईट, क्षेत्रफल-2.9056 हैक्टेयर, राजस्व ग्राम एकलसिंहा, तहसील केकड़ी, जिला अजमेर, उत्पादन क्षमता 438, 528 TPA (ROM) पट्टेधारी श्रीमती कविता रानी बैरवा, पर्यावरण स्वीकृति क्रमांक F1(4)SEIAA/SEAC/Sectt Project/cat B1(21353) 2019-20 जयपुर दिनांक 17.10.2022 SEIAA जयपुर द्वारा जारी की गई।

खनन पट्टेधारी
श्रीमती कविता रानी बैरवा

आचार्य अभयमुनि का विदाई समारोह

आसींद, (निसं)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सानिध्य में इंद्रमल भंवरीदेवी श्रीमाल प्रवचन हाल में आचार्य अभय मुनि का चातुर्मास तप, त्याग एवं धर्म आराधना के साथ आनंद पूर्वक संपन्न हुआ। चातुर्मास काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रावक श्राविकाओं को संघ द्वारा सम्मानित किया गया।

आचार्य ने कहा कि आसींद में चातुर्मास ऐतिहासिक रहा है यहां के श्रावक श्राविकाओं ने धर्म ध्यान का पूरा लाभ लिया है। आसींद संघ के कार्यों की सभी संतों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर मुनि भूपेंद्र एवं स्वरूप मुनि ने भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डाला एवं कर्म सत्ता क्या होती है उसके ऊपर विस्तृत प्रकाश डाला। संघ द्वारा श्राविका रत्न की उपाधि से 97 वर्षीय भंवरी देवी श्रीमाल एवं श्रावक रत्न की उपाधि से

श्राविका रत्न की उपाधि से भंवरी देवी श्रीमाल एवं श्रावक रत्न की उपाधि से ताराचंद रांका को अभिनंदन पत्र भेंटकर माला एवं शाल से सम्मानित किया गया।

ताराचंद रांका को अभिनंदन पत्र भेंटकर माला एवं शाल से सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में चातुर्मास काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का भी शाल एवं माला से सम्मान किया गया। विदाई समारोह को महिला मंडल अध्यक्ष मंजू कर्णावट वरिष्ठ श्रावक भंवर लाल कांठेड़, तारा चंद रांका, अशोक कुमार श्रीमाल, कनिष्क चौधरी आदि वक्ताओं ने संबोधित किया। संघ अध्यक्ष चंद्र सिंह चौधरी, मंत्री देवीलाल पीपाड़ा ने चातुर्मास में तन, मन, धन से सहयोग करने पर सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की हरीभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार योजना वैम्बे के आवासीय/व्यवसायिक भूखंड संख्या 37 क्षेत्रफल 40 वर्गगज के आवंटी/अंतरिति की 1. श्री हीरालाल पुत्र ठाकुमल 2. सुरेश तुलसानी पुत्र श्री हीरालाल निवासी 361 आजाद नगर कोटडा अजमेर जिसमें हीरालाल की मृत्यु दिनांक 12/10/22 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. श्रीमती हेमलता पत्नी स्व. श्री हीरालाल 2. श्रीमती भारती भोजवानी पुत्री स्व. हीरालाल पत्नी टीकम भोजवानी 410/33 पाल बिचला 3. अशोक तुलसानी पुत्र स्व. हीरालाल 4. सुरेश तुलसानी पुत्र स्व. श्री हीरालाल द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री सुरेश तुलसानी पुत्र स्व. हीरालाल निवासी 361 आजाद नगर कोटडा अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 1.11.22 के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

अजमेर, (कास)। अजमेर में निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड की एक भुजा जो ऐतिहासिक सोनी जी की नसियां के पास बनी है का विरोध जारी है। मंगलवार को जिला कलेक्टर और स्मार्ट सिटी के सीईओ अंशदीप को ज्ञापन देकर जागरुक नागरिकों ने मांग की है कि रोड की भुजा नसियां के बजाए आगरा गेट चौराहे तक ही रखी जाए।

कलेक्टर को ज्ञापन देने वाले जागरुक नागरिकों के शिष्टमंडल में नगर सुधार न्यास के पूर्व अध्यक्ष धर्मेश जैन व ख्वाजा साहब की दरगाह के खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सदर गुलाम किबरिया, व्यापारिक एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन गुप्ता, प्रकाश पाटनी, प्रवक्ता विकास अठावाल व कमल गंगवाल, समाजसेवी रंजीतमल लोढ़ा, संजय अग्रवाल ने तर्क दिया कि हाल में एलिवेटेड रोड की भुजा के लिए नसियां व एक्सचेंज के निकट जो दीवार बनाई है उसकी वजह से दोनों तरफ का यातायात दिनभर जाम रहता है।

विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में डोर स्टेप कॉउंसलिंग आयोजित

अरांई, (निसं)। तालुका विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में पंचायत समिति परिसर में डोर स्टेप कॉउंसलिंग शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में अपर जिला एवं सेशन न्यायधीश किशनगढ़ द्वारा नियुक्त पैनल अधिवक्ता ने पक्षकारों के मध्य सहमति बनाई गई।

शिविर में 52 प्रकरण सहित राजस्व न्यायालय के प्रकरण आये। पैनल अधिवक्ता प्रदीप कुमार सिंधी ने बताया कि 38 प्रकरणों में समझाइश की गई। चेक प्रकरणों में 8 सझाईश हुई तथा 1 प्रकरण का राजीनामा के मार्फ़त निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि 12 नवम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

शिविर में संबोधित करते हुए तहसीलदार हनुमान प्रसाद ने लोक अदालत का महत्व बताते हुए कहा कि लोक अदालत एक ऐसा स्थान है जहां

शिविर को संबोधित करते हुए तहसीलदार हनुमान प्रसाद ने लोक अदालत का महत्व बताया।

कानून की अदालत में या पूर्व मुकदमेबाजी के स्तर पर लंबित विवादों, मामलों को शांतिपूर्वक सुलझाया- समझौता किया जा सकता है। लोक अदालत, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, लोगों की अदालत है।

लोक का अर्थ है 'लोग', जबकि अदालत का अर्थ है 'न्यायालय।' लोक अदालत न्याय व्यवस्था का एक तरीका है जिसे लोगों को वहनीय और समय पर न्याय प्रदान करने के मुद्दे को हल करने के लिए बनाया गया था। शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की और से आमजन को स्वास्थ्य जाच, परामर्श, दवा वितरण की गई।

इस दौरान पंचायत समिति सदस्य पानाराम बैरवा, राजस्व विभाग से गिरदावर रामेश्वर लाल जाट, ऑफिस कानूनगो महेश टेलर, राकेश चौधरी, चिकित्सा विभाग से डॉक्टर आदित्य शर्मा, मोहन चौधरी, राजवीर ओलण, अमित लक्षकार, गोविंदा देवी, अलका कोठारी, पटवारी प्रकाश चन्द शर्मा, पटवारी हरिराम जाट, अशोक कुमावत, किशोरनाथ ने सहयोग प्रदान किया।

fincare Small Finance Bank

Registered Office: 301-306, 3rd Floor, ABHIJEET -V, Opp. Mayor's Bungalow, Law Garden Road, Mithakhali, Ahmedabad - 380006, Gujarat. www.fincarebank.com

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from Fincare Small Finance Bank Ltd ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles as per below schedule.

Loan Account no	Name of the borrower	Auction Venue	Auction Date
2266000016572	MRS. KOMAL SINGH	FINCARE SMALL FINANCE BANK LTD; GROUND FLOOR, PLOT NO.5, SHAKTI NAGAR, TRIVENI CHOURAHA BYPASS, JAIPUR, RAJASTHAN, 302015	11/11/2022
2266000020993	KAVITA		
2266000052612	MR. VIKAS KUMAR VERMA		
2266000274244	MR. AJAY SINGH		
2266000292870	AJAY SINGH		
2166000772329	ANJU BAI	FINCARE SMALL FINANCE BANK LTD; GROUND FLOOR, 386-SHOPPING CENTER, GHODE WALE BABA CROSS ROAD, BESIDE SANCHIT TOWER, GUMANPURA ROAD, KOTA, RAJASTHAN, 324007	11/11/2022
2166000813333	PRADEEP KASHYAP		
2166000832707	MS. NIRAJA JOLLY		
2166000837098	RAM SHARAN MEENA		
2266000011081	MANOJ KUMAR		
2266000034747	SAIDAN BEGAM		
2266000047132	SATYANARAYAN		
2266000051454	SURJEET GOCHER		
2166000779966	BHUPENDRA SEN	FINCARE SMALL FINANCE BANK LTD; GROUND FLOOR, 16C, MANOHAR HEIGHTS, 1 MADHUBAN BANK STREET, OPPOSITE ICON TOWER, UDAIPUR, RAJASTHAN, 313001	11/11/2022
2166000837788	MAHENDRA KUMAR DHANDHORIYA		
2266000009655	JUZAR HUSSAIN		
2266000455724	GOVIND SAIN	FINCARE SMALL FINANCE BANK LTD; GROUND FLOOR, SHOP NO-2 & 3, A-235, GURU JEMBESHWAR NAGAR, GANDHIPATH, QUEENS ROAD, JAIPUR, RAJASTHAN, 302021	11/11/2022
2166000801406	SEEMA	FINCARE SMALL FINANCE BANK LTD; A/23, BAPU NAGAR, ROAD NO.13 ,SETHI, NEAR SBI BANK, CHITTAURGARH, RAJASTHAN, 312001	11/11/2022
2166000812605	VIJAY KUMAR SHARMA		
2266000010612	BADRI LAL		
2266000555086	MR. DURGA SHANKAR CHASTA		
2266000051624	PRAKASH OJHA	FINCARE SMALL FINANCE BANK LTD; 1ST FLOOR A-1 PLAZA PLOT NO.163, NEAR UIT OFFICE SUBASH NAGAR, AJMER ROAD, BHILWARA, RAJASTHAN, 311001	11/11/2022

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

बालोतरा में प्रदर्शनकारियों पर चढ़ाई गाड़ी, आक्रोशित भीड़ ने दो गाड़ियों को फूंका

अब तक मामला दर्ज नहीं, एचपीसीएल कम्पनी में रोजगार की मांग कर रहे स्थानीय लोग

आक्रोशित लोगों के आग लगाने के बाद गाड़ियां धू-धू कर जलने लगी।

- **बदमाशों ने तीन राउंड हवाई फायरिंग भी की**

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा उपखंड क्षेत्र के पचपदरा रिफाइनरी के गेट नंबर तीन पर मंगलवार को प्रदर्शनकारियों पर गाड़ियां चढाकर कुचलने का प्रयास किया गया। इसके बाद लोगों ने दो बोलेरो कैंपर पर लाठियों से तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने तीन राउंड हवाई फायरिंग भी की। प्रदर्शनकारी और अधिकारी जान बचाकर मौके से भागे। घटना के बाद बदमाश मौके के फरार हो गए।

दरअसल, स्थानीय लोग सुबह 11 बजे रोजगार और ठेके देने की मांग को लेकर धरना देने पहुंचे थे। गेट नंबर 3 पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी मांग थी कि तहसीलदार मौके पर पहुंचकर समस्या सुनें, इसी दौरान ज्ञापन दिया जाएगा। सूचना के बाद करीब 12 बजे सरपंच डालूराम तथा तहसीलदार इमरान खान मौके पर पहुंचे। तभी काले शीशे वाली करीब 7 बोलेरो गाडियों में बदमाश सवार होकर आए। अधिकारियों और भीड को कुचलने का प्रयास किया।

घटना के बाद अधिकारी और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए। पत्थरबाजी भी की गई। मामला बढता देख पचपदरा पुलिस उप अधीक्षक मदनलाल मीणा और बालोतरा एएसपी नीरज कुमारी शर्मा मौके पर पहुंचे। उग्र प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। मामले के संबंध में एडीएम अश्विनी के पंवार और उपखंड अधिकारी विवेक व्यास प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर रहे हैं। वहीं, शांति व्यवस्था को देखते हुए पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है।

दरअसल, पचपदरा में रिफाइनरी का कार्य निर्माणाधीन है। बाहर की कंपनियां एचपीसीएल रिफाइनरी में कार्य कर रही है। जहां रोजगार पाने के लिए स्थानीय लोग अथक प्रयास कर रहे हैं। बार-बार रोजगार देने की मांग की जा रही है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल रहा है।

एएसपी नीतेश आर्य ने बताया कि पचपदरा रिफाइनरी में गेट नंबर 3 पर तहसीलदार एक पक्ष का ज्ञापन ले रहे थे। इस दौरान करीब 7 गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने लोगों पर गाडी चढाने का प्रयास किया। विवाद बढने के बाद अज्ञात लोगों ने दो कैंपर गाड़ियों में लाठियों से तोडफोड की और आग के हवाले कर दिया।

तहसीलदार इमरान खान ने बताया कि स्थानीय 36 कौम के लोग रोजगार की मांग को लेकर मेरे पहुंचने से पहले शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। जो स्थानीय लोगों को प्राथमिकता से रोजगार देने और ठेका देने की मांग कर रहे थे। इस दौरान पीछे करीब 7 बोलेरो गाड़िया आई, जिनके काले शीशे थे। भीड के साथ हमें भी कुचलने का प्रयास किया गया।

रिफाइनरी में शुरू से ही स्थानीय लोग रोजगार की मांग कर रहे हैं। पहले भी कई बार रोजगार देने की मांग उठी तो बाहर से आई कंपनियों ने स्थानीय कुछ लोगों को रोजगार दिया था। राजस्थान सरकार की संयुक्त परियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार की संयुक्त परियोजना के तहत बाडमेर के पचपदरा में 450० एकड जमीन पर रिफाइनरी कम पेट्रो कैमिकल्स का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना में एचपीसीएल की हिस्सेदारी 74 फीसदी और राजस्थान सरकार की 26 फीसदी है।

डी.एल.एड. आवेदन में रही कमियों को दूर कर सकते हैं कैंडिडेट्स

संशोधन केवल कैटेगरी और जेण्डर में किया जा सकेगा

- **देना होगा पचास रुपए शुल्क**
- **नौ नवंबर के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा**

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग ने डीएलएड एडमिशन के लिए आवेदन कर चुके केंडिडेट्स को अपने फॉर्म में संशोधन के लिए कल तक का समय दिया है। पचास रुपए फीस देकर केंडिडेट्स सभी तरह की त्रुटियों को सुधार सकते हैं। नए सिरे से आवेदन भर सकते हैं।

अधिकृत वेबसाइट से प्री-डीएलएड परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन में रही त्रुटियों को 9 नवंबर तक सुधारने का मौका दिया गया है। प्रदेश के 372 डीएलएड कॉलेजों में परीक्षा करवाई गई थी। जिसका रिजल्ट एक नवंबर को घोषित किया जा चुका है। अभ्यर्थियों की मांग पर शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन काउंसलिंग का प्रोसेस शुरू करने से पहले आवेदन पत्र में रही गलतियों को सुधारने का एक अंतिम अवसर दिया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 50 रुपए टोकन शुल्क देखकर अभ्यर्थी स्वयं के लॉगइन आईडी में पासवर्ड के जरिए 9 नवंबर रात 12 बजे तक संशोधन कर सकेंगे। संशोधन केवल कैटेगरी और जेण्डर में किया जा सकेगा।

प्रदेश के डीएलएड कॉलेजों में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए करीब 10 दिन का समय दिया जाएगा। ऑनलाइन काउंसलिंग का प्रोसेस 15 नवंबर के आस-पास शुरू होने की संभावना है। इधर, शिक्षा विभाग में डीएलएड द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 10 नवंबर से शुरू होंगी जो 22 नवंबर तक चलेंगी। परीक्षा एक पारी में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक होगी।

नीरू भारद्वाज, पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन का अभ्यर्थियों को अंतिम मौका दिया गया है। 9 नवंबर के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

रात के समय बिजली सप्लाई का किसानों ने विरोध किया

रात के समय 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली दी जाती है

सेफरागुवार जीएसएस का घेराव कर बैठे किसान।

- **सेफरागुवार जीएसएस पर बिजली कर्मचारियों को बाहर निकाल किसानों ने ताला लगाया**

खेतड़ी, (निसं)। किसानों द्वारा रात के समय सिंचाई के लिए बिजली सप्लाई देने का विरोध शुरू हो गया है। देर रात को खेतडी इलाके के सेफरागुवार जीएसएस पर किसान धरने पर बैठे रहे और रात के समय बिजली सप्लाई देने का विरोध किया। किसानों ने रात को सेफरागुवार जीएसएस पर बिजली कर्मचारियों को बाहर निकाल कर ताला लगा दिया और रात 1 बजे तक किसान धरने पर बैठे रहे। धरने पर बैठे किसानों ने बताया कि सिंचाई के लिए दिन के समय ही बिजली दी जाए। अब डिस्कॉम की ओर से रात के समय सिंचाई के लिए बिजली दी जा रही है।

किसान दिनभर बुवाई में लगा रहता है। इसके बाद रात को सिंचाई के लिए बिजली सप्लाई देने से किसान की परेशानियां बढ़ जाती हैं। किसानों ने बताया कि रात के समय 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली दी जाती है। जीएसएस पर तालाबंदी और धरने की सूचना के बाद सहायक अभियंता मोहनलाल स्वामी ने किसानों से बातचीत की और दिन में विद्युत सप्लाई सुचारू करवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने जीएसएस पर पर लगाई तालाबंदी हटा दी और कर्मचारियों को जीएसएस के अंदर प्रवेश करने दिया।

पत्रकार की शिकायत पर एफ.आई.आर. दर्ज

- **न्यायालय के आदेश पर कोतवाल व नर्सिंगहोम संचालक के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा**

कानपुर, (निसं)। पत्रकार की शिकायत पर माननीय न्यायालय के आदेश पर रसूलाबाद के तत्कालीन थाना प्रभारी, निजी नर्सिंग होम संचालक व उसमें काम करने वाले लगभग आधा दर्जन कर्मचारियों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं पीड़ित पत्रकार ने आशंका व्यक्त की है कि आरोपी पुलिस अधिकारी के पद पर रहते मामले की जाँच प्रभावित हो सकती है क्योंकि वो जिले में ही तैनात है।

गौरतलब हो कि रसूलाबाद क्षेत्र के मनावा निवासी विशाल सिंह गौतम, पेशे से पत्रकार हैं और एक समाचारपत्र में क्षेत्रीय समाचारों के संकलन का कार्य करते हैं। विशाल ने बताया कि बिगत 27 जून 2022 को वह रसूलाबाद क्षेत्र स्थित एस0 एस0 जी0 हेल्थकेअर में हंगामा की खबर बना रहे थे। इसी दौरान नर्सिंग होम संचालक डॉ0 स्वप्निल सिंह ने अपने कर्मचारियों के बल पर पत्रकार का मोबाइल छीन लिया था और मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया था। इस कृत्य में तत्कालीन थानाप्रभारी शिव ठाकुर ने मनमाफिक रवैया अपनाते हुए नर्सिंग होम संचालक डॉ0 स्वप्निल सिंह का साथ देकर, मनगढ्न्त तहरीर बनवाकर दबाव बनाने के लिये विशाल के खिलाफ एक कूटरचित मुकदमा उसके खिलाफ दर्ज करवा दिया था।

पीड़ित पत्रकार विशाल ने अपनी व्यथा जिले के उच्चाधिकारियों सहित माननीय न्यायालय के समक्ष रखी और बताया कि उसे फर्जी फंसाया गया है। इतना ही नहीं उसके मोबाइल के संकलित सूबूत पुलिस ने मिटा दिये हैं। विशाल के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए माननीय स्पेशल जज एस0 सी0 एस0 टी0 कानपुर देहात ने उक्त मामले की एफ आई दर्ज करने का आदेश दिया। स्पेशल जज के आदेश पर तत्कालीन रसूलाबाद थाना प्रभारी शिव ठाकुर, एस एस जी हेल्थकेयर की संचालक डॉ0 स्वप्निल सिंह व 5-6 अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ थाना रसूलाबाद में मामला दर्ज किया गया है।

पीड़ित पत्रकार विशाल सिंह ने यह आशंका व्यक्त की है कि पुलिस अधिकारी शिव ठाकुर वर्तमान में जिले में ही सिकन्द्रा में तैनात हैं और उनके पद पर रहते मामले की जाँच प्रभावित की जा सकती है। ऐसे में मुझे क्या न्याय मिल पायेगा ?

बीकानेर में 19 नए रोगी मिले, 473 पर पहुंचा आंकड़ा

बीकानेर, (कासं)। डेंगू के नए रोगी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। आज 19 नए रोगी पीबीएम हॉस्पिटल में रिपोर्ट हुए हैं। इनमें से आठ भर्ती हैं। पीबीएम में अब तक 473 डेंगू पॉजिटिव रिपोर्ट हो चुके हैं, जिनमें से 251 का भर्ती कर इलाज किया गया। बीते सप्ताह भर से डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है।

इस बार डेंगू सबसे ज्यादा बच्चों, स्कूल-कॉलेज वाले किशोरों और कामकाजी युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। बीकानेर में इस वर्ष के उपलब्ध 462 रोगियों का डेटा एनालिसिस करने पर सामने आया कि बुजुर्गों को डेंगू सबसे कम हो रहा है। डेंगू पीड़ितों में सबसे ज्यादा 50.21 प्रतिशत रोगियों की उम्र 16 से 35 वर्ष के बीच है। इसके बाद 15 वर्ष तक के बच्चे 22.07 प्रतिशत और 36 से 50 वर्ष तक वाले रोगी 14.28 प्रतिशत हैं। सबसे कम डेंगू रोगी 70 से अधिक उम्र वाले हैं। इनका प्रतिशत 2.38 है। स्कूल-कॉलेज के स्टूडेंट और कामकाजी लोगों के इस बीमारी की चपेट में ज्यादा आने की एक वजह यह है कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर एडिज इजिप्टाई डे-बाइटर यानी दिन में काटने वाला है। यह मच्छर सूर्योदय के बाद कुछ घंटों तक और शाम को सूर्यास्त से पहले कुछ घंटों तक सबसे ज्यादा सक्रिय रहता है। स्कूली बच्चे, कॉलेज स्टूडेंट और कामकाजी युवा सुबह-शाम जाते-आते वक्त इस बीमारी की चपेट में आते हैं।

डॉ.संजय कोचर,(मलेरिया-डेंगू पर सालों से रिसर्च कर रहे मेडिसिन विभागाध्यक्ष) का कहना है कि एडिज इजिप्टाई मच्छर डे-बाइटर है। सबसे ज्यादा सुबह-शाम सक्रिय रहता है। बंद कमरों की बजाय खुले में ज्यादा बाइट करता है। साफ दिखने वाले पानी में अंडे देता है।

फिजिकल टीचर्स के इंटरव्यू शुरू

- **संभाग और शिक्षा विभाग के डिविजनल मुख्यालयों पर शुरू होंगे नए स्पोर्ट्स काम्पलेक्स**

बीकानेर, (कासं)। प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालयों और शिक्षा विभाग के डिविजनल मुख्यालयों पर नए स्पोर्ट्स काम्पलेक्स शुरू किए जा रहे हैं। इन केंद्रों पर अनेक खेलों की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसे में प्रदेशभर में फिजिकल टीचर्स को भी इन केंद्रों पर पदस्थापित किया जा रहा है। यहां बीकानेर में शाला क्रीडा संगम केंद्रों के लिए इंटरव्यू शुरू हो गए हैं।

बीकानेर के अलावा चूरू, अजमेर, जोधपुर, भरतपुर, जयपुर, कोटा, पाली और उदयपुर में ये केंद्र जल्द ही शुरू हो जाएंगे। इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में फिजिकल टीचर्स का पदस्थापन किया जाएगा। ऐसे में जो फिजिकल टीचर इन शहरों में अपना पदस्थापन करवाना चाहते हैं, वो आवेदन कर रहे हैं। बीकानेर स्थित शिक्षा निदेशालय में इन टीचर्स के इंटरव्यू हो रहे हैं, जिसके बाद इनका चयन होगा।

ऐसे में बड़ी संख्या में ग्रेड थर्ड, ग्रेड सेकंड फिजिकल टीचर्स को इधर-उधर होने का अवसर भी मिल रहा है। शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों में जो बड़ी संख्या में नए खेल भी स्कूल स्तर पर शुरू कर दिए हैं। इनके प्रशिक्षण की व्यवस्था भी इन केंद्रों पर रहेगी। बीकानेर सहित सभी जिलों में पहले से ऐसे केंद्र चल रहे हैं और नए केंद्र खुलने से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिलेगा, वहीं अपने जिलों से बाहर बैठे फिजिकल टीचर्स को भी अवसर मिलेगा।

लापता युवक का कंकाल गटर की कुई में मिला

सिविल डिफेंस सीकर की टीम ने कंकाल को कुई से निकाला।

- **संदिग्ध लोगों से पूछताछ में हुआ खुलासा**

खाटूश्यामजी, (निसं)। थाना अंतर्गत मंडा ग्राम से 12 जुलाई को लापता हुए युवक का शव ग्राम के ही पास में स्थित शंकर अग्रवाल के बंद गटर की कुई में मिला।

थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि लापता श्रवण सिंह शेखावत पुत्र मेघ सिंह की तलाश की जा रही थी। लापता की आस-पास के क्षेत्र में मोबाइल लोकेशन पूछताछ में संदिग्ध एक महिला सहित चार लोग सामने आए। संदिग्ध कैलाश अग्रवाल, महेंद्र सिंह शेखावत, विकास नायक व सुनीता अग्रवाल से गहनता से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि लापता युवक श्रवण सिंह को अधिक शराब पिलाकर शंकर अग्रवाल के घर पर ही उसे मार कर पीछे बने बंद गटर की कुई में डालकर उसके ऊपर नमक और मिट्टी डाल दी गई जिससे किसी को कोई शक ना हो।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव निकालने के लिए सिविल डिफेंस सीकर को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने मृतक के रिश्तेदार भाई जितेंद्र सिंह को कुई के अंदर उतारा गया। शव के बजाय मृतक के कंकाल हड्डी व अन्य सामान मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जैसे ही सीकर के लिए रवाना होने लगे तो मृतक की पत्नी रीटा कंवर के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस को घेर लिया और मौके पर ही धरने पर बैठ गए।

सूचना पर जनप्रतिनिधि पूर्व विधायक अमराराम, गजानंद कुमावत, महावीर कुमावत, हनुमान सिंह शेखावत व गोडावास के सरपंच प्रभु सिंह गोगावास, अरोरा के पूर्व सरपंच मूल सिंह ने धरने पर पहुंचकर विरोध जताया।

एसडीएम व पुलिस के आला अधिकारियों दवारा समझाइश करने पर परिजनों ने मृतक के 5 वर्षीय पुत्री व 2 वर्षीय पुत्र को सरकारी नौकरी देने के साथ एक करोड रुपए का आर्थिक सहायता की मांग की। काफी समझाइश की गई लेकिन परिजनों व धरना स्थल पर बैठे ग्रामीण नहीं माने।

मां से झगड़ा करने पर बड़े भाई की हत्या

- **छोटे भाई ने सिर में गंडासी मारी, पुलिस ने हिरासत में लिया**

अनूपगढ, (निसं)। मां से झगड़ा करने पर छोटे ने बड़े भाई को रोका गुस्से में सिर पर गंडासी से मार दिया। इससे बड़े भाई की इलाज के दौरान रात को मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की रिपोर्ट पर दो देवर और सास के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

मामला श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ की रावला मंडी के गांव 8 केडी का है। मारपीट में घायल करण कुमार विश्नोई (25) पुत्र महादेव ने बीकानेर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग ने बताया कि करण कुमार (25) पुत्र महादेव अपनी मां के साथ झगड़ा कर रहा था। तब छोटे भाई सुनील कुमार(22) ने करण को रोका, लेकिन वह नहीं माना। इस पर दोनों भाइयों में झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर सुनील कुमार ने बड़े भाई करण के सिर में गंडासी से वार कर दिया। घटना में करण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को रावला से गंभीर हालत में बीकानेर रैफर कर दिया। इलाज के दौरान युवक ने रात दम तोड़ दिया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी छोटे भाई सुनील को राउंडअप किया है।

मृतक करण की पत्नी मनीता (22) ने रावला पुलिस थाने में देवर सुनील (22) और सुधीर (20) और सास बेदी देवी(63) व दो अन्य ने जान के खिलाफ मामला दर्ज कराया। करण कुमार के 7 महीने की बेटी है। करण अपने 2 भाइयों के साथ एक ही घर में रहता था।

मौसम का बदला मिजाज

श्रीमाधोपुर में शाम चार बजे बाद बारिश का दौर शुरू हुआ।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। क्षेत्र में नवंबर के दूसरे सप्ताह के शुरूआत में मंगलवार शाम 4 बजे मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। शाम चार बजे ही अंधेरा सा छा गया और और वाहन चालकों को वाहनों की लाइट जलानी पड़ी।

इसके बाद तेज हवा और बादलों की गर्जना के साथ शाम 4.45 बजे बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्र्टबेंस) के चलते मौसम में बदलाव के साथ रात के तापमान में 5 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर सोमवार रात का पारा 19 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले यहां रविवार रात का पारा 13.5 डिग्री और शनिवार रात का पारा भी 13.5 डिग्री दर्ज किया गया था।

स्विमिंग पूल में छात्र की डूबने से मौत

बौंली, (निसं)। निवाई रोड स्थित जयगढ़ पैलेस स्विमिंग पूल बौंली उपखंड मुख्यालय पर अपने साथियों के साथ नहाने गए एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। बौंली सर्किल इंस्पेक्टर कुसुम लता मीणा ने बताया कि अमृत लाल मीणा उम्र 16 वर्ष 11वीं कक्षा में जय बजरंग विद्यालय में अध्ययनरत था जो अपने 8-10 साथियों के साथ स्विमिंग पूल में 9:30 पर नहाने गया था।

इसी दौरान सभी छात्र मित्र नहाने में मस्त थे और वह अंदर पानी में छलांग लगाकर कूदा जिससे वह बाहर नहीं निकल पाया। काफी समय बाद जब उसके अन्य साथियों ने उसे नहीं देखा तब उसे बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। छात्र अमृत लाल मीणा उम्र 16 वर्ष निवासी खाट कला सूरवाल यहां हॉस्टल में रहकर बजरंग विद्यालय में अध्ययन कर रहा था। पुलिस ने बौंली चिकित्सालय में मृतक छात्र का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

स्वास्तिक कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी ने दर्जनों महिलाओं को ठगा

दस-दस हजार रुपए देकर चार से पांच गुना की वसूली

- **दो बहनों को ससुराल जाकर दी जेल भेजने की धमकी**
- **सोसायटी के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की मांग**

चूरू, (कासं)। स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू ने दर्जनों महिलाओं को ठगी का शिकार बनाया है। स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी ने दर्जनों महिलाओं को दस-दस हजार रुपए का ऋण देकर चार से छह गुना तक राशि वसूल कर ली है। उसके बाद भी उनकी पूर्ति नहीं हुई है। यहां वार्ड नम्बर 24 की 2 सगी बहनों स्नेहा सेन व दीया सेन ने स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू से 17 नवम्बर 2017 को दस-दस हजार रुपए लिए थे।

दीया ने बताया कि 3 जुलाई 2020 तक 37800 रुपए नगद जमा करवा दिया। इसके अलावा छह हजार रुपए की कोई रसीद ही नहीं दी गई। इसी प्रकार स्नेहा ने भी 33 हजार से अधिक रुपए जमा करवा दिए और अपना ऋण चुकता कर दिया। उसके बाद दोनों बहनों की विवाह हो गया। दीया सेन ने बताया कि गत सप्ताह स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू की मैडम किरण उनके ससुराल लक्ष्मणगढ़ पहुंच गई और जेल भिजवाने की धमकी देने लगी। किरण इतने में ही नहीं मानी और उसने कहा कि वह फिर आएगी और घर के आगे नोटिस चिपकाकर जाएगी। किरण की धमकी के बाद दोनों बहनें मानसिक रूप से परेशान हैं। ससुराल वालों के सामने भी बेवहज नीचा देखना पड़ रहा है।

इसी प्रकार स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी ने मीरा से 57625 रुपए, जाहिदा से 42670 रुपए, नीलू से 27800 रुपए वसूल लिए हैं। उसके बाद भी और रुपए मांग रहे हैं। नसीम, किरण आदि सहित दर्जनों अन्य महिलाएं भी स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू की ठगी का शिकार हो चुकी हैं। यहां महिलाओं ने बताया कि स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड वाले धमकाने के लिए लोगों को भेजते हैं। इससे उनका जीना मुश्किल हो गया है। इस संबंध में राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज को भी अवगत करवाएंगे। उसके बाद भी स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू को पाबंद नहीं किया गया तो न्यायालय का सहारा लिया जावेगा। पीड़ित महिलाओं ने दोषी स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

2019 की सोलर नीति के अनुसार ही व्यवसायियों को इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी में राहत दें : हाईकोर्ट

अदालत ने राज्य सरकार तथा जयपुर विद्युत वितरण निगम को फटकार लगाते हुए कहा कि व्यवसायियों ने 2019 की नीति के तहत ही छतों पर सोलर पावर प्लांट लगाने के लिये निवेश किया था

- **जैसा कि विदित है कि इस नीति के तहत व्यवसायियों को सात साल तक इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी देने से राहत दी गई थी परंतु राज्य सरकार अपनी ही नीति के विरूद्ध जाते हुए व्यवसायियों से ड्यूटी वसूल रही थी और इसके एवज में बिल भी जारी कर रही थी**
- **हाईकोर्ट ने ड्यूटी वसूले जाने पर अंतरिम रोक लगाई है और कंपनियों के खिलाफ कोई भी उत्पीड़क कार्यवाही करने पर भी रोक लगाई**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने इमारतों की छत पर (रूफ टॉप) सोलर पैनल लगाकर व्यवसायिक उपयोग के लिये बिजली उत्पादन करने से जुड़ी कंपनी इमामी एग्रोटेक लिमिटेड को राहत देते हुए आदेश दिये हैं कि राज्य सरकार अपनी 2019 की सोलर नीति के अनुसार इस कंपनी से बिजली उत्पादन के लिये इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी ना वसूलें और ना ही कोई अवपीड़क कार्यवाही ना करें।

मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल और न्यायाधीश एम.एन. श्रीवास्तव की खंडपीठ ने यह आदेश 20 अक्टूबर को दिये थे जिसकी आदेश की प्रतिलिपि अभी हाल ही में प्राप्त हुई है।

इस मामले में याचिकाकर्ता इमामी एग्रोटेक लिमिटेड की ओर से एडवोकेट अनंत कासलीवाल और उनके सहायक वकील वैभव कासलीवाल और शशांक कासलीवाल पेश हुए थे।

उल्लेखनीय है कि 2019 में राज्य सरकार ने अपनी सोलर एनर्जी पॉलिसी जारी की थी जिसकी धारा 16.4 के तहत सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाने वाली कंपनियों पर आने वाले सात वर्ष तक राजस्थान सरकार और जयपुर विद्युत वितरण निगम इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी नहीं लगाएंगे। परंतु अपनी ही नीति के विरूद्ध जयपुर विद्युत वितरण निगम कई बिजली उत्पादकों से इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी वसूल रही थी और बिल भी जारी कर रही थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021-22 में राज्य सरकार ने छत पर सोलर प्लांट के नये प्रोजेक्ट के लिये यह छूट हटा दी है।

परंतु हाईकोर्ट के समक्ष ऐसे कई मामले दायर किये गये जिनमें कंपनियों ने 2019 की नीति के तहत छत पर सोलर प्लांट लगाये थे। इन याचिकाकर्ताओं का कहना था कि राज्य सरकार नये आने वाले प्रोजेक्टों के लिये तो छूट हटा सकती है पर जो 2019 की नीति के तहत ये लगाये गये हैं उन पर यह छूट लागू रहेगी। ऐसा ही एक याचिका एपीएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर की गई थी जिसमें सीनियर अधिवक्ता संदीप जौहरी और उनके सहायक अधिवक्ता शुभंकर जौहरी पैरवी के लिये पेश हुए थे। हाईकोर्ट ने इस मामले में कहा था कि राज्य सरकार अपनी ही नीति के विरूद्ध कार्य नहीं कर सकती और इन कंपनियों से इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी नही वसूल सकती।

राजस्थान सोलर एसोसियेशन ने भी इस वर्ष हाईकोर्ट के समक्ष सरकार की 2019 की नीति के विरूद्ध इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी वसूले जाने के कई मामले दर्ज किये गये थे। जिनमें हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई थी।

हाईकोर्ट ने एपीएम इंडस्ट्रीज राहत देते हुए उन पर लगाई जा रही ड्यूटी पर अंतरिम रोक लगाई थी। इन मामलों की तर्ज पर हाईकोर्ट ने इमामी एग्रोटेक को भी राहत दी है और उन पर लगाई जा रही ड्यूटी पर भी अंतरिम रोक लगाई जा रही है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने लाहौल स्पीती में कांग्रेस उम्मीदवार रवि ठाकुर के समर्थन में प्रचार किया।

मंगलवार को चन्द्रग्रहण के तुरंत बाद ही राजधानी जयपुर में तीव्र हवाओं के साथ बारिश होने लगी जो देर रात तक रूक-रूक कर चलती रही। इससे शहर में सर्दी बढ़ने से लोग गर्म कपड़े पहने नजर आये।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत

जयपुर। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का ब्राहमण समाज राजस्थान ने स्वागत किया है। प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने इस निर्णय को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने केन्द्र की मोदी सरकार के उस फैसलें पर मोहर लगा दी है जिसके तहत केन्द्र सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़ों को आरक्षण दिया था। इस निर्णय के खिलाफ कई पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की लेकिन जीत आखिरकार सत्य की हुई और गरीब व कमजोर सवर्ण को भी संबल मिला है। इस आरक्षण पाने के लिये लगभग दो दशकों तक संघर्ष किया और केन्द्र सरकार ने आरक्षण से वंचित सवर्ण जातियों को भी ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में आरक्षण दिया।

प्रदेश में 31 नए करोना संक्रमित मिले मंगलवार को

जोधपुर में सर्वाधिक 6 नए मरीज सामने आए हैं

- **राज्य में फिर रिकवरी में कमी आने से एक्टिव केस बढ़कर 343 हो गए हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में फिर वृद्धि हुई है। इस दौरान मंगलवार को 31 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं 18 रोगियों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 343 हो गए हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि राज्य में पिछले सात दिनों से करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 10 जिलों में 31 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 23 रोगी पाए गए थे। इधर आज सबसे ज्यादा 6 नए संक्रमित जोधपुर में सामने आए हैं। इसके अलावा पाली में 5, जयपुर व अलवर में 4-4, बीकानेर व सीकर में 3-3, प्रतापगढ़ और अजमेर में 2-2 तथा भरतपुर और सवाई माधोपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 5708 जांचे की गई।

प्रदेश में मंगलवार को केवल 18 ही संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही फिर एक्टिव केस बढ़कर 343 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में कोई भी मरीज रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 106 हो गए हैं। प्रदेश में मंगलवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9646 लोगों की मौत हो चुकी है। राजधानी जयपुर में मंगलवार को गोपालपुरा, कोटपूतली, मालवीय नगर और मानसरोवर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

स्वरोजगार से ही भारत आत्मनिर्भर बनेगा : कश्मीरी लाल

- **स्वदेशी जागरण मंच की प्रांत बैठक एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह**

जयपुर। स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल ने कहा है कि स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन देने और स्वरोजगार से ही भारत आत्मनिर्भर बनेगा। कश्मीरी लाल स्वदेशी जागरण मंच की प्रांत बैठक को राजापार्क स्थित आदर्श विद्या मंदिर में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग व युवाओं के स्वरोजगार के प्रति जागृत होने से देश भर में एक सकारात्मक माहौल बना है। संघ की प्रेरणा से चल रहे स्वदेशी स्वावलंबन अभियान से देश के युवाओं में एक नई चेतना जागृत हुई है। उसी का परिणाम है कि अब युवा सरकारी नौकरी के बजाय स्वयं का रोजगार शुरू कर लोगों को नए रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि देश में आज स्वदेशी, स्वरोजगार व स्वावलंबन का भाव उत्पन्न हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक डॉ शैलेंद्र ने कहा कि आज स्वदेशी का स्वावलंबन अभियान पूरे देश में जोर पकड़ रहा है और अब लोग वस्तुओं को खरीदने से पहले स्वदेशी और विदेशी वस्तुओं का आंकलन करने लगे हैं। मंच के प्रांत संयोजक देवेंद्र भारद्वाज ने प्रांत कार्यकारिणी में राजेश शर्मा को कोष प्रमुख एवं धर्मेंद्र शर्मा को सह संपर्क प्रमुख के पद पर नियुक्त किया साथ ही स्वावलंबन के क्षेत्र में कार्य कर रहे युवा उद्यमियों को मंच पर बुलाकर स्वदेशी का दुपट्टा देकर सम्मानित कराया और उनके स्टार्टअप्स को राष्ट्र की उन्नित में अधिक भागीदारी निभाने की शुभकामनाएं देकर उनका उत्साहवर्धन किया। महिला कार्य प्रमुख अर्चना मीणा ने स्वावलंबी भारत अभियान के डिजिटल प्लेटफार्म माय एसबीए में अधिकाधिक युवाओं को जोड़ने का आव्हान किया। मंच के अखिल भारतीय सह प्रचार डॉ धर्मेंद्र दुबे ने कहा कि स्वरोजगार करने वाले युवाओं की छोटी-छोटी कहानियां भी प्रेरणा के रूप में समाज के बीच लाई जानी चाहिए। मंच के क्षेत्र संयोजक डॉ.सतीश आचार्य ने कहा कि स्वदेशी को लेकर देशभर में एक सकारात्मक व अनुकूल माहौल का निर्माण हुआ है। प्रांत प्रचार प्रमुख डा धर्मवीर चंदेल ने बताया कि इस अवसर पर प्रांत संगठक मनोहर शरण का स्थानांतरण गुजरात होने पर उन्हें सभी कार्यकर्ताओं ने भावभीनी विदाई दी।

बम ब्लास्ट मामले में सुनवाई पूरी

जयपुर। शहर में 13 मई, 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में चार अभियुक्तों को मिली फांसी की सजा को लेकर हाईकोर्ट में राज्य सरकार के डेथ रेफरेंस और अभियुक्तों की ओर से पेश कुल 28 अपीलों पर सुनवाई पूरी हो गई है। अदालत ने दोनों पक्षों को लिखित बहस पेश करने को कहा है। लिखित बहस के बाद कोर्ट अपना आदेश सुनाएगी। जस्टिस पंकज भंडारी और समीर जैन की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई की है।

धर्मांतरण का राज्य सरकार को संरक्षण : डॉ. पूनिया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने जयपुर में धर्मांतरण के मामले पर बयान देते हुए कहा कि राजस्थान कितना असुरक्षित है, इसका नमूना धर्मान्तरण है, राज्य में लव जेहाद और लैण्ड जेहाद की घटनाएं होती रही हैं, आवाज उठाने पर धर्मान्तरण थोड़े दिन के लिये रुका था, लेकिन अब फिर से हो रहा है, जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार सोती रही, कमज़ोर लोगों को सुनियोजित तरीके से टार्गेट किया जाता है, धर्मांतरण के मामलों में भोले, आर्थिक कमजोर और निर्बल लोगों को टार्गेट कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गृह मन्त्री भी हैं और उनकी नाक के नीचे यह हो रहा। इससे भी बड़ी चौंकाने वाली बात यह है कि धर्मांतरण के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है, जबकि धर्मांतरण करवाने वाले लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, इससे यह इनकार नहीं किया जा सकता कि धर्मांतरण को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है, कांग्रेस की तुष्टिकरण और वोट बैंक की सियासत के तार भी इससे जुड़े हो सकते हैं, इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, जिससे भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति ना हो।

मुख्य सचिव सहित अन्य को अवमानना नोटिस

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षक की लंबित विभागीय जांच के संबंध में दिए आदेश की पालना नहीं करने पर मुख्य सचिव, शिक्षा निदेशक और जिला शिक्षाधिकारी सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश ममता की अवमानना याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट ने गत नौ मार्च को आदेश दिए थे कि याचिकाकर्ता के खिलाफ लंबित विभागीय जांच को छह माह में निस्तारित किया जाए। इसके बावजूद विभाग ने याचिकाकर्ता के खिलाफ संशोधित आरोप पत्र पुनः जारी कर दिया और विभागीय कार्रवाई जारी कर रखी है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता को वेतन का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। याचिकाकर्ता को विभागीय अधिकारी मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में याचिकाकर्ता की विभागीय जांच को निस्तारित किया जाए और अदालत अवमाननाकर्ता अफसरों पर कार्रवाई करे। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

गुरु नानक देव ने सम्पूर्ण मानवता को भाईचारे का संदेश दिया : राज्यपाल

गुरू नानक जयन्ती के अवसर पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजा पार्क गुरुद्वारे में आयोजित विशेष कीर्तन में भाग लिया।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने श्री गुरु नानक देव जी के 553वें प्रकाश पर्व गुरु नानक जयन्ती के अवसर पर मंगलवार को राजा पार्क गुरुद्वारे में विशेष कीर्तन दिवान आयोजन में भाग लिया।

राज्यपाल ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास और छुआछूत को दूर करने के लिए कार्य किया। उन्होंने मानवता के कल्याण के लिए पूरे देश में घूम-घूम कर भाईचारे एवं प्रेम के मार्ग पर चलने के लिए सभी को प्रेरित किया। हमें उनके संदेशों के अनुसार अपने आचरण एवं व्यवहार को ढालते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष अर्चना शर्मा, सांसद रामचरण बोहरा, स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, विधायक सतीश पूनिया, कालीचरण सराफ, आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत, राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबी एवं अनुयायी उपस्थित रहे।

कॉलेज शिक्षा आयुक्त बताए क्यों नहीं की आदेश की पालना?

- **हाईकोर्ट के आदेश के वाबजूद निजी कॉलेज को स्थाई एनओसी जारी नहीं करने पर नाराजगी जताई**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने निजी कॉलेज को सत्र 2020-21 की स्थाई एनओसी जारी करने के अदालती आदेश के बावजूद एनओसी जारी नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कॉलेज शिक्षा आयुक्त को 28 नवंबर को पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। अदालत ने कहा कि यदि आदेश की पालना हो जाती है तो कॉलेज आयुक्त को पेश होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश जामिया मदरसा एजुकेशन सोसायटी की अवमानना याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता आत्माराम मीणा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने कॉलेज शिक्षा विभाग में वर्ष-2020-21 की स्थाई एनओसी के लिए आवेदन किया था। विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं करने पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका पेश की थी। जिस पर गत वर्ष 2 दिसंबर को सुनवाई करते हुए अदालत ने विभाग को आदेश दिए थे कि वह याचिकाकर्ता के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए एक माह में एनओसी जारी करे। अवमानना याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश के करीब 11 माह बीतने के बाद भी विभाग ने अब तक एनओसी जारी नहीं की है।

ऐसे में अदालती आदेश की पालना कराई जाए और अवमानना कर्ता अफसरों को दंडित किया जाए। वहीं याचिका में जवाब पेश करने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता ने दो सप्ताह का समय मांगा। इस पर अदालत ने 28 नवंबर तक आदेश की पालना नहीं होने पर कॉलेज शिक्षा आयुक्त को पेश होकर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है।

कांग्रेस के मंत्री-विधायक ग्रेटर निगम के पार्षदों को साधने में जुटे, उधर हैरिटेज के पार्षद बगावत पर उतरे

मेयर मुनेश की कार्यशैली से नाराज करीब एक दर्जन कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदों ने हैरिटेज निगम में धरना दिया

- **धरने पर बैठे कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदों की नाराजगी थी कि दो साल के कार्यकाल में मेयर मुनेश गुर्जर बोर्ड मीटिंग तक नहीं बुला रही है, अधिकारी सुनवाई नहीं करते। उधर कांग्रेस सरकार संचालन समितियां गठित नहीं कर रही है।**
- **इन पार्षदों ने मेयर मुनेश को फोन पर चेतावनी दी है कि अगर 15 नवंबर तक उनकी मांगों पर सुनवाई न हुई तो पुनः धरना देंगे**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम में 10 नवंबर को महापौर उपचुनाव है, ऐसे में मेयर की कुर्सी पर कांग्रेस का मेयर बैठाने के लिए इन दिनों कांग्रेस के मंत्री-विधायक जमकर जोड़तोड़ की कोशिशों में जुटे हैं। बाड़ेबंदी में मौजूद कांग्रेस के पार्षदों से इन दिनों समझाइश और मान-मनुहार का दौर चल रहा है। ताकि क्रॉस वोटिंग जैसी स्थिति नहीं बने।

वहीं दूसरी ओर हैरिटेज नगर निगम में मंगलवार को एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेस और निर्दलीय पार्षदों ने कांग्रेस की महापौर मुनेश गुर्जर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और निगम मुख्यालय पर करीब एक घंटे तक धरना देकर विरोध भी जताया। इनकी नाराजगी थी कि कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद हैरिटेज निगम में बीते 2 साल से ना तो बोर्ड मीटिंग बुलाई जा रही है और न ही संचालन समितियां बनाई गई। वार्डों में विकास कार्यों और सफाई कर्मचारियों को लेकर भी सुनवाई नहीं होती।

उधर मंगलवार को मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और बगरू विधायक गंगा देवी के साथ-साथ विद्याधर नगर के कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, सांगानेर से पुष्पेन्द्र भारद्वाज और मालवीय नगर से विधायक प्रत्याशी रही अर्चना शर्मा ने ग्रेटर निगम क्षेत्र के पार्षदों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना।

राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं हैं कि भाजपा में मेयर प्रत्याशी को लेकर चल रहे असंतोष का फायदा उठाने की कोशिश में कांग्रेस नेता जुटे हैं। क्योंकि पिछले दिनों जिस तरह से भाजपा ने सुखप्रीत बंसल का नाम ऐन वक्त पर काटा और कार्यवाहक शील धाबाई को भी मेयर प्रत्याशी बनाने से पार्टी ने परहेज किया, इसे लेकर समर्थक पार्षदों और कई बड़े नेताओं में नाराजगी तो हैं।

हालांकि बीजेपी के नेताओं का कहना है कि सभी एकजुट हैं और पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा पार्षद रश्मि सैनी को महापौर बनाएंगे। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अगर क्रॉस वोटिंग की संभावना बनती है तो कांग्रेस इसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेगी। इसलिए कांग्रेस के मंत्री-विधायक और विधायक प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र के पार्षदों से बातचीत करने में जुटे हैं।

उधर मंगलवार दोपहर को जिस तरह से कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों ने हैरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के खिलाफ मोर्चा खोला है, उसे लेकर भी मंत्री-विधायक चिंतित है। मंगलवार को जब करीब 19 पार्षद हैरिटेज नगर निगम में बीते दो साल से बोर्ड मीटिंग नहीं बुलाये जाने और संचालन समितियां गठित न होने को लेकर धरना देने पहुंचे तो हड़कंप मच गया। हालांकि गुरूनानक जयंती का अवकाश होने के कारण निगम मुख्यालय में छुट्टी का माहौल था। धरने पर बैठे पार्षद कांग्रेस की सरकार, विधायक और मेयर को कोसते दिखे।

इन पार्षदों का कहना था कि प्रदेश में जब कांग्रेस की सरकार है और हैरिटेज नगर निगम में कांग्रेस का बोर्ड है, उसके बावजूद कांग्रेस के ही पार्षदों में विकास कार्य नहीं हो रहे। अफसर उनके फोन तक नहीं उठाते है। कांग्रेस बोर्ड को समर्थन दे रहे निर्दलीय पार्षदों ने भी कमेटियां बनाने की मांग की। पार्षदों ने महापौर मुनेश गुर्जर को मोबाइल पर स्पीकर ऑन कर अपनी मांगे रखी। बैठक से पार्षदों ने कमेटियां गठन करने, विकास कार्यों की स्वीकृत, सफाई कर्मचारियों के समानीकरण और बोर्ड बैठक बुलाने की मांग की।

पार्षदों का आरोप है कि आयुक्त उनके विकास कार्यों की फाइलों को स्वीकृत नहीं कर रहे हैं। पार्षदों ने चेताया है कि अगर 15 नवंबर तक उनकी सुनवाई नहीं हुई तो वे धरने पर बैठेंगे। धरने पर बैठने वाले इन पार्षदों में जाहिद निर्माण, मौजम बानो, मोहम्मद एहसान, सलमान मंसूरी, सना वसीम खान, जमीला बेगम, मोहम्मद फारूख, आयशा सिद्धकी, रोहित कुमार, मोहम्मद जकरिया शेरम, अरविंद मेठी, शोएब मुबारक, सोहेल मंसूरी, संतोष, नरेश नागर, उमरदराज, मोहम्मद शफीक, अकबरुद्दीन और सुनीता देवी शामिल थे।

आमेर में पैदल मार्च आज

जयपुर। देश और दुनिया में प्रसिद्ध महत्वपूर्ण पर्यटन नगरी आमेर की बदहाल सड़कों के निर्माण और पीने के पानी की सप्लाई माँग को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और आमेर विधायक डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में आमेर तहसील का 9 नवंबर को घेराव कर गूंगी बहरी कांग्रेस सरकार के खिलाफ पैदल मार्च निकाला जाएगा, जिसमें स्थानीय कार्यकर्ता और आमजन शामिल होंगे। भाजपा, आमेर शहर मंडल द्वारा आयोजित पैदल मार्च कल 9 नवंबर को कुंडा तिराहे से आमेर तहसील तक निकाला जायेगा।

युवाओं ने मिश्र से भेंट की

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार को राजभवन में भारत को जानें कार्यक्रम के तहत 14 देशों से आए विदेशों में रह रहे भारतीय युवा प्रतिभागियों ने मुलाकात की।

संक्षिप्त

महिला यात्री के गले से सोने की चेन चोरी

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड पर सक्रिय चोर गिरोह बस में सफर करने वाले यात्रियों को लगातार अपना निशाना बना रहे है। सोमवार को बस स्टैंड पर एक महिला यात्री के गले से अज्ञात चोरों ने सोने की चेन चोरी कर ली। इस संबंध में सिविल लाइन थाने में महिला यात्री के पुत्र ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सुनारान गली बालाजी खिडकी के पास ब्यावर निवासी राजेश सोनी पुत्र ओमप्रकाश सोनी ने सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें बताया कि 6 नवंबर को उनकी मां नागौर से ब्यावर वाया अजमेर जा रही थी, लगभग 3:30 बजे अजमेर बस स्टैंड पर पहुंची और दूसरी बस से ब्यावर के लिए रवाना हो गई। ब्यावर पहुंचने के बाद पता चला कि सोने की चेन चोरी हो गई है। सोनी ने चोर के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। सिविल लाइन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई सुवालाल को सौंपी है। एएसआई सुवालाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

महिला विद्यार्थियों को मिलेगी मुफ्त शिक्षा

अजमेर, (कास)। राज्य सरकार की एक योजना के अंतर्गत महिला विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत महिलाएं किसी भी आयु में इसका लाभ उठा सकेंगी। बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा में लागू किया गया है। यहां से विद्यार्थी स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा व प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगी। इस योजना हेतु महिलाओं को राजस्थान की मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। यह योजना केवल दूरस्थ शिक्षा के लिए है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक महिला विद्यार्थी कोटा स्थित विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन भी कर सकती है।

गुरु नानकदेव की जयंती मनाई

नागौर, (निसं)। सिख संप्रदाय के प्रथम गुरु नानकदेव जी की 553वी जयंती का कार्यक्रम मंगलवार को नागौर रेलवे स्टेशन स्थित गुरुसिंह सभा गुरुद्वारा में संपन्न हुआ। गुरुद्वारा के मुख्य सेवक सरदार रोहित सिंह ने बताया कि मंगलवार को चंद्रग्रहण के अवसर पर गुरुद्वारा में गुरु ग्रंथ साहिब की पूजा एवं शब्द कीर्तन तथा लंगर का आयोजन किया गया। चंद्र ग्रहण होने के कारण दिनभर गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं का तथा शहर के नागरिक एवं विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अनेक संगठनों के कार्यकर्ताओं का दिनभर तांता लगा रहा। इस मौके पर सिख संप्रदाय के अनेक पदाधिकारी और सेवक मौजूद थे।

12 फुट लंबा अजगर निकला

मसुदा, (निसं)। मसुदा पंचायत समिति की निकटवर्ती ग्राम पंचायत खिमपुरा के ग्राम सूजा का बाड़िया में मंगलवार सुबह 12 फुट लम्बा अजगर निकलने से ग्रामीण भयभीत हो गये। सायर के खेत पर कुए पर अजगर नजर आया खेतों पर काम करने वाले लोगों ने पूर्व उपसरपंच रतन काठात को अवगत करवाया जहा रतन काठात ने वन विभाग के कार्मिकों को सूचना दी वन विभाग के कार्मिकों ने काफी मकसद के बाद अजगर को पकड़कर वन विभाग के कर्मचारियों ने अजगर को जंगल में सुरक्षित छोड़ा।

पुष्कर सरोवर में तीन युवक डूबे, एक जने की मौत

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर सरोवर में सोमवार को तीन युवक डूब गए। इस दौरान सिविल डिफेंस टीम ने तीनों युवकों का रेस्क्यू किया लेकिन तीनों युवकों में से दो युवक ही बच पाए और एक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मृतक 18 वर्षीय देवराज पुत्र रामलाल निवासी

■ पुष्कर सरोवर के चौड़ी पेड़ी घाट की घटना

नागेलाव पीसांगन अपने साथियों के साथ पुष्कर सरोवर में नहाने आया था। मृतक व उसके तीनो साथी गहरे पानी मे चले गए और डूबने लगे। रविकुमार के निर्देश में घाटों पर तैनात सिविल डिफेंस के सदस्यों ने तुरंत पानी में कूद दो युवकों को बचा लिया लेकिन देवराज गहरे पानी मे जाने से मौके पर ही मौत हो गई। सिविल डिफेंस टीम ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश भी की लेकिन उसके साथियों को बचाने में समय लगने से वह गहरे पानी मे चला गया। डूबने के पांच मिनट के भीतर उसको भी निकाल लिया लेकिन बचाया नहीं जा सका।

सिविल डिफेंस टीम ने तीनों युवकों का रेस्क्यू किया लेकिन दो युवक ही बच पाए और एक की मौत हो गई।

हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले आज

सरवाड़, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को 66वें जिला स्तरीय छात्र वर्ग में 17 व 19 वर्षीय हॉकी प्रतियोगिता में सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। वही इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रगतिशील शिक्षक संगठन के अजमेर जिलाध्यक्ष रामधन चौधरी रहे। 19 वर्ष में पहला सेमीफाइनल केकड़ी बर्सेज कानपुरा के बीच हुआ जिसमें केकड़ी की टीम 6-0 से विजय रही। 19 वर्ष में दूसरा सेमीफाइनल सरवाड़ बर्सेज गुलगांव के बीच हुआ जिसमें सरवाड़ की टीम कड़े मुकाबले में 1-0 से विजय रही। 17 वर्ष में पहला सेमीफाइनल केकड़ी बर्सेज महात्मा गांधी सरवाड़ के बीच हुआ जिसमें केकड़ी की टीम एकतरफा मुकाबले में 11-0 से विजय रही। 17 वर्ष में दूसरा सेमीफाइनल कानपुरा बर्सेज जवाहर स्कूल अजमेर के मध्य खेला गया जिसमें कानपुरा की टीम 12-0 से विजय रही। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले बुधवार को खेले जाएंगे। यह जानकारी अध्यापक आदित्य दाधीच ने दी। जिलाध्यक्ष चौधरी का अध्यापकों ने माला पहनाकर स्वागत किया। वही इस मौके पर गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सार-समाचार

हित चिंतक अभियान का पोस्टर विमोचित

नागौर, (निसं)। विश्व हिंदू परिषद की बैठक में मंगलवार को हित चिंतक अभियान का पोस्टर विमोचन किया गया। विश्व हिंदू परिषद के मठ मंदिर प्रमुख जुगल तिवारी ने बताया कि गांव ताऊसर के गड्डी कुआं में स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में आज विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं तथा मोहल्ले वासियों की बैठक संपन्न हुई जिसमें विश्व हिंदू परिषद द्वारा संपूर्ण देश भर में चल रहे हित चिंतक (सदस्यता)अभियान के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर सूरजमल भाटी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की जानकारी दी। विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री मेघराज राव ने हित चिंतक अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के कोषाध्यक्ष गणेश त्रिवेदी, राजाराम टाक, लूणाराम तिवारी, नरेश कच्छावा, अनिल तिवारी, रमेश तिवारी, हीरालाल कच्छावा, पन्ना लाल लोहार, राजेंद्र भाटी, जानाराम सरगरा, धीरज पंवार, अजय भाटी, भीकाराम सरगरा, अभिषेक तिवारी सहित गडी कुआं मोहल्ले के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पन्ना लाल मीणा का सम्मान

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान सरकार के अनुसूचित जनजाति आयोग के वरिष्ठ सदस्य और 1990 के दौरान भीलवाड़ा रहे पुलिस विभाग के दबंग अधिकारी पन्ना लाल मीणा के मंगलवार को भीलवाड़ा पहुंचने पर जिला पत्रकार संघ एवं जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान जार तथा भीलवाड़ा प्रेस सोसाइटी रजिस्टर्ड संस्था द्वारा सम्मान किया गया। स्थानीय ओरडिया हाउस पर नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार अक्षय त्रिपाठी, महेंद्र ओरडिया, शहजाद खान, अशोक जैन और अनिल राठी ने उनका फूल मालाओं से स्वागत कर मेवाड़ी पगड़ी पहनाई तथा दीपोत्सव से जुड़ी देवी देवताओं की एक तस्वीर भेंट की। उल्लेखनीय है कि मीणा 1990 के दशक में कोतवाली, प्रतापनगर थाना तथा मांडलगढ के थानाधिकारी रहे तथा पदोन्नित पाकर उन्होंने गंगापुर भीलवाड़ा बेगू माउंट आबू में वृताधिकारी का पद संभाला। जांबाज पुलिस अधिकारी होने के साथ-साथ कर्तव्य के प्रति पूरी इमानदारी बरतने के कारण उन्हें लगातार प्रमोशन मिलते गए और उन्होंने सिरोही तथा अजमेर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का पदभार संभाला और पुलिस अधीक्षक के पद की सेवाएं देते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली, क्योंकि समाज के प्रति दायित्व और अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में कुछ कर गुजरने की तमन्ना के कारण मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें अपनी ही सरकार के अनुसूचित जनजाति आयोग का सदस्य बनाया।

लूट के आरोपियों को जेल भेजा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के दो थाना क्षेत्रों में एक ही रात में आधा दर्जन लूट की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग के चारों आरोपियों को प्रतापनगर थाना पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें एक दिन की पुलिस अभिरक्षा में भेजा गया जबकि पांचवां आरोपी अब भी पुलिस गिरफ्त से दूर है। जानकारी के अनुसार एक ही रात में लूट और मारपीट की 6 वारदातों को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को भीलवाड़ा की चार थाना पुलिस ने संयुक्त प्रयास से सोमवार को गिरफ्तार किया था। प्रतापनगर थाना पुलिस ने मिंची मण्डी में नीबू मिंच बेचने वाले चौथमल माली के साथ मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किये गये चित्तौड में टेंट हाउस का काम करने वाले सुनील धोबी, पुताई और पेंटिंग करने वाले गौरव कोली, आरसीसी डालने वाले राकेश बलाई और बारहवीं पास कर चुके कॉलेज के छात्र मोहित खटीक को न्यायालय में पेश किया। चारों आरोपियों को न्यायालय ने प्रतापनगर थाना पुलिस को एक दिन के रिमाण्ड पर सौंपा है। चौथमल माली से इन लोगों ने 800 रुपए की नकदी लूटी इनमें से 400 रुपए खर्च कर दिये जबकि बाकी 400 रुपए फरार आरोपी गोपाल लेकर चला गया। चौथमल का मोबाइल भी लूटा गया जिसे फैंक देने की बात सामने आई। पुलिस उसे बरामद करने का प्रयास कर रही है। रावण गैंग के नाम से अपराध करने वाले इन लोगों के और साथी हो सकते है इस बारे में भी पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं इन आरोपियों की प्रतापनगर थाने में ही एक अन्य मामले में जबकि सुभाषनगर और सदर थाने में इन्हें अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया जाना है। इन आरोपियों ने सदर थाने के कामधेनु बालाजी मंदिर में महात्मा हरिदास के साथ जमकर मारपीट की थी और 15 हजार रुपए लूटने को अंजाम दिया था, इन आरोपियों ने सीसीटीवी तोडने के साथ ही आश्रम को भी नुकसान पहुंचाया था।

विधिक चेतना शिविर

ब्यावर, (निसं)। चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत व इम्प्रूवमेंट ऑफ सिटिजन थ्रू लीगल अवेयरनेस एंड आउटरीच अभियान के तहत ग्राम पंचायत मेडिया के सभागार में मंगलवार को नालसा मोड्यूल मेगा विधिक चेतना शिविर व डोर-स्टेप कांउलिंग केम्प का आयोजन रखा गया। अति. मुख्य न्यायिक मजि. सं.2, ब्यावर राजेश्वर विश्नोई की अध्यक्षता में अभियान में उपस्थित पक्षकारान के मध्य समझाईश से प्रकरणों के निस्तारण की कार्यवाही की गई। चिन्हित राजस्व प्रकरणों में से नामांतरण, जमाबंदी के 5 प्रकरणों को निस्तारण मौके पर किया गया। आमजन व पक्षकारान के मध्य चेक बाउंस, आपसी जमीनी विवाद तथा अन्य राजस्व प्रकृति के विवादों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। शिविर में राशन कार्ड, जन आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, भामाशाह कार्ड एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ, फसल बीमा योजनाओं का लाभ, ऋण वितरण योजना, बैंक द्वारा संचालित योजनाओं का लाभों की जानकारी देते हुए मौके पर समस्याओं का निस्तारिण किया गया। शिविर में तहसीलदार ब्यावर मोहनसिंह राजावत व राजस्व कार्मिकगण प्रभुसिंह, छगनलाल, पटवारी मूलाराम, प्रियंका, सुनील कुमार, कैलाशचन्द छीपा, सरपंच दीपू गहलोत, ग्राम विकास अधिकारी संजय भाटी, पैनल अधिवक्ता ऋषिराज चैहान, संजय सिंह गहलोत, कार्मिक मदनसिंह, रमेश, नरेन्द्र उपस्थित रहे।

रेल विकास प्रदर्शनी आयोजित

अजमेर, (कासं)। रेल प्रशासन द्वारा वर्तमान में जारी पुष्कर मेले रेलवे के विकास और वर्तमान गतिविधियों से संबंधित एक प्रदर्शनी लगाई गई है जिसे आमजन देख रहे हैं और सराह रहे है। प्रदर्शनी में आमजन रेलवे से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्राप्त कर रहे हैं। यात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर-पुष्कर के बीच स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विवेक रावत के अनुसार इस रेल विकास प्रदर्शनी में रेलवे से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां वीडियो वॉल, बैनर व पोस्टर आदि के माध्यम से उपलब्ध कराई गयी है, इसमें रेलवे के किये गये तथा जारी विकास कार्यों को दर्शाया गया है, वंदे भारत ट्रेन, अजमेर रेल म्यूजियम, स्टेशन रि-डेवलपमेंट, रेल सुरक्षा, एक स्टेशन-एक उत्पाद, स्वच्छ रेलवे स्टेशन परिसर, रेस्टोरेंट्स ऑन रेल कोच, रोचक रेल तथा सतर्कता में ही सुरक्षा जैसी विभिन्न जानकारियां उपलब्ध कराई गई है। वीडियो वॉल पर प्रगति के पथ पर- उन्नति के रथ पर उत्तर पश्चिम रेलवे से संबंधित उपलब्धियों को गानों के माध्यम से दर्शाया गया है।

बदहाल विद्युत व्यवस्था पर ग्रामीणों ने सब स्टेशन पर जड़ा ताला

मसूदा, (निसं)। मसूदा पंचायत समिति के ग्राम पंचायत शेरगढ़ में मंगलवार को बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम के विद्युत सब स्टेशन पर ताला बंदी कर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात में सिंचाई के लिए बिजली देने से किसानों में रोष व्याप्त है। मसूदा उपखंड क्षेत्र में विद्युत वितरण निगम की ओर से खेतों में फसलों की सिंचाई को लेकर रात्रि में बिजली आपूर्ति नहीं किए जाने से किसानों में रोष व्याप्त होने लगा है। मसूदा उपखंड में विद्युत वितरण निगम में खेतों में फसलों की सिंचाई के लिए एक सप्ताह दिन में एवं एक सप्ताह रात में बिजली आपूर्ति का निर्णय किया है लेकिन खेतों में रात्रि को 10 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली दिए जाने से किसानों में चिंता है कि जहां सर्दी पड़ने लगी है वही विभाग द्वारा बिजली दिन में देने के बजाय रात्रि में देने से किसानों को जहां स्वास्थ्य को लेकर खासी परेशानी होती है साथ ही रात्रि में अंधेरा होने के साथ-साथ जीव जंतु के दिखाई नहीं देने से परेशानी और बढ़ जाएगी साथ ही खेतों में पिलाई का कार्य करना भी मुश्किल है। क्षेत्र के काश्तकारों ने बताया कि सिंचाई के लिए पहले दिन में बिजली दी जाती थी लेकिन अब सप्ताह भर रात्रि में आपूर्ति किए जाने से खेतों में कार्य को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम के विद्युत सब स्टेशन पर ताला बंदी कर विरोध प्रदर्शन किया।

सुंदरकांड का पाठ भक्त में इच्छाशक्ति बढ़ाता है : अश्विनी

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर शालीमार कॉलोनी निवासी सनातन संस्कृति में भरोसा रखने वाले धार्मिक प्रवृति के समाजसेवी जगदीशचंद्र अरोड़ा (खत्री) परिवार द्वारा कार्तिक माह की तेरस पर सुंदरकांड के पाठ का आयोजन कराया गया।

समाजसेवी जगदीशचंद्र अरोड़ा के पुत्र सौरभ खत्री ने बताया कि सुंदरकांड के पाठ का आयोजन उनकी माता स्वर्गीय कृष्णा अरोड़ा की स्मृति के अवसर पर कराया गया। संगीतमय सुंदरकांड पाठ संजय नगर बड़ी नागफणी स्थित श्री राधे सर्वेश्वर सत्संग मंडल के अश्विनी गहलोत व उनकी मंडली सदस्यों द्वारा किया गया। संगीतमय पाठ का आयोजन करने वाले अश्विनी गहलोत ने कहा कि रामचरितमानस के सुंदरकांड की कथा सबसे अलग और निराली है, इसमें भगवान राम के गुणों की नहीं बल्कि उनके भक्त के गुणों और उनकी विजय के बारे में बताया गया है। सुंदरकांड का पाठ भक्त के आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति को बढ़ाता है। इस पाठ की एक एक पंक्ति और उससे जुड़ा अर्थ, भक्त को जीवन में कभी न हार मानने की सीख प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड के पाठ से शनिदशा में लाभ मिलता है, क्योंकि स्वयं शनिदेव हनुमानजी के परम भक्त हैं और उनसे भय खाते हैं। उन्होंने कहा कि जिन जातकों पर शनि की ढेय्या या साढ़े साती चल रही हो, वह रोजाना सुंदरकांड का पाठ करें तो शनि की महादशा का प्रभाव कम होता है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सुंदरकांड व हनुमानजी की आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर जगदीशचंद्र अरोड़ा, सौरभ खत्री, गौरव, नेहा, शीतल खत्री, आचिन्त्य, अम्बी, प्रवीण कुमार, प्रीति, चेष्टा, सुनील रांका, नवीन कच्छावा, नवीन महावर, जोगेंद्र मौर्य, मयूर झा, योगेश जैन, राधेश्याम वर्मा, दीप मिश्रा, विनोद जांगिड़ व समस्त अरोड़ा (खत्री) परिवार सहित कॉलोनीवासी शामिल हुए।

हल्की बूंदाबांदी से बढ़ी ठंड

नागौर, (निसं)। शहर सहित जिलेभर में मंगलवार की सुबह मौसम का मिजाज बदल गया। सोमवार रात हुई बूंदाबांदी के बाद कोहरा छा गया, जिससे अचानक ठंड बढ़ गई। कोहरा होने की वजह से सुबह-सुबह लोगों को भी वाहनों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। मौसम विभाग की ओर से पश्चिम विक्षोभ के चलते मौसम विभाग ने मंगलवार को बूंदाबांदी के साथ बारिश की संभावना भी जताई गई है। मंगलवार को बादल छाए रहे, वहीं हल्की ठंड भी लगने लगी। यह मावठ (सर्दी की बारिश) रबी फसलों के लिए अमृत के समान है। खेतों में सरसों और चना की बुवाई कुछ समय पहले ही हुई है। अब फसलों को बढ़वार के लिए सिंचाई की आवश्यकता है। ऐसे में बारिश होने से खासकर असिंचित और कुआं से सिंचाई वाली फसलों को बड़ा फायदा होगा। बादलों और बूंदाबांदी से तापमान में भी गिरावट आएगी। वहीं मंगलवार को लोगों को हल्की ठंड का अहसास हुआ। दिन से अधिकतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। हिमालय से आने वाली इन हवाओं से सुबह-सुबह हल्का कोहरा छा जाने से वाहन चालकों को भी थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

'कानून की अज्ञानता बचाव नहीं हो सकती'

बांदनवाड़ा, (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर और तालुका विधिक सेवा समिति केकड़ी की ओर से मंगलवार को गुरुकुल स्कूल व कॉलेज में विधिक चेतना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के सचिव एडीजे रामपाल जाट रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कविता राणावत द्वारा की गई तथा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायिक मजिस्ट्रेट मर्यादा शर्मा, थानाधिकारी महावीर मीणा, एडवोकेट डॉ मनोज आहूजा, एडवोकेट मनीष छीपा मौजूद रहे। माँ सरस्वती की वंदना व अतिथियों के सम्मान सत्कार के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे रामपाल जाट ने संबोधित करते हुए कहा कि कानून की अज्ञानता का फायदा नहीं मिल सकता। कानून यह मानता है कि आपको उसकी जानकारी है इसलिए सभी को कानून की जानकारी होना आवश्यक है।

इसी उद्देश्य को लेकर वो यहां आए हैं। न्यायाधीश कविता राणावत ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी के साथ करना चाहिए। इससे फायदे के साथ-साथ नुकसान भी हैं। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की गलती हो जाने पर अपने माता पिता या गुरुजनों से शेयर अवश्य करें ताकि होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। न्यायाधीश मर्यादा शर्मा ने कहा कि बालकों को अपने लक्ष्य पर फोकस रखते हुए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कड़ी मेहनत ही हमे जीवन में सफल इंसान बनाएगी। एडवोकेट मनोज आहूजा ने कहा कि जहां तक हो सके विवादों से दूर रहना चाहिए।

उन्होंने महाभारत काल में भगवान कृष्णा का हवाला देते हुए कहा कि भगवान कृष्ण ने युद्ध से पहले शांति की अपील की थी वर्तमान में यही कंसेप्ट लागू किया जा रहा है। विद्यालय के एमडी राधेश्याम शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को मिलने वाली जानकारी का भविष्य में उपयोग करने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व विद्यालय स्टाफ ने अधिकारियों के आगमन पर ढोल नंगाड़े बजाकर उनका अभिनंदन किया।

शिविर के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के सचिव एडीजे रामपाल जाट रहे तथा अध्यक्षता अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कविता राणावत द्वारा की गई।

सिक्ख समाज ने गुरु नानक देवजी का प्रकाशोत्सव पर्व मनाया, सजाया विशेष दीवान

अजमेर, (कासं)। सिक्ख समाज के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देवजी के 554वें प्रकाश पर्व शहर सहित जिले भर के गुरुद्वारों में धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गंज स्थित गुरुद्वारे से शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान गुरुद्वारा साहिब से गुरु ग्रंथ साहिब की शोभा यात्रा शुरू हुई जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए रेलवे ऑफिसर्स क्लब पहुंची, जहां विशेष दीवान सजाया गया। इस अवसर पर सिक्ख समाज के लोगों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

गुरु नानक देव जी के 554वें प्रकाशोत्सव मंगलवार को शहर सहित जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजा तो वहीं गुरुद्वारों पर आकर्षक रंग बिरंगी लाइटिंग सजाई गई। सुबह प्रभात फेरी व अखंड पाठ व शोभायात्रा का आयोजन हुआ तथा समापन पर गुरु का अटूट लंगर वरताया गया। शहर के श्री गुरु नानक सभा गंज, गुरुद्वारा अलवरगेट, गुरुद्वारा रामगंज, गुरुद्वारा धोलाभाटा, गुरुद्वारा हाथी भाटा व पुष्कर गुरुद्वारे में धार्मिक आयोजन हुए।

गुरुद्वारा गुरुनानक सभा गंज के प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरमंदर सिंह गांधी, सचिव देवेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गंज गुरुद्वारे से सुबह 9 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई, यह शोभायात्रा महावीर सर्किल, प्रभात सिनेमा, हाथीभाटा, सूचना केंद्र होते हुए कचहरी रोड स्थित रेलवे ऑफिसर्स क्लब पहुंची। प्रातः 10 बजे विशेष दीवान साहिब सजाया गया तथा दोपहर 3:30 बजे बाद शोभायात्रा जेएलएन मेडिकल कॉलेज, बजरंगगढ़, महावीर सर्किल होते हुए वापस गंज गुरुद्वारा पहुंची। शोभायात्रा में आगे पंज प्यारे चल रहे थे तो वहीं पालकी पर गुरुग्रंथ साहिब और गुरुनानक देव की प्रतिमा लेकर श्रद्धालु चल रहे थे।

शोभायात्रा के दौरान गतका पार्टी हैरत अंगेज करतब दिखाएगी, जिसमें चक्कर घुमाने, तलवारबाजी, ढोल पर नाचने और लाठी संचालन का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर समाज के लोग जयकारे लगा रहे थे। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर सिख और अन्य धर्मावलम्बी पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

श्री गुरुनानक देव के प्रकाशोत्सव की खुशी में ब्यावर सिख गुरुद्वारा में गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा गुरू नानक जयंती बड़े उल्लास और हर्ष के साथ मनाई गई।

ब्यावर। गुरुद्वारा साहिब में धन धन श्री गुरुनानक देव के प्रकाशोत्सव की खुशी में ब्यावर सिख गुरुद्वारा में गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा बड़े उल्लास और हर्ष के साथ मनाया गया। प्रातः निशान साहिब की सेवा के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। श्री गुरुनानक स्कूल के बच्चों द्वारा गुरुनानक देवजी के जीवन परिचय और उनकी शिक्षाओं को याद करके खुशियां प्राप्त की गयी। गुरुद्वारा स्कूल में निशुल्क फिजियोथैरेपी केम्प आम संगत के लिये डॉ विजेता तिवारी के द्वारा सेवा की गयी जिसमे बहुत से श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया। गुरुद्वारा साहिब के दरबार साहिब में भाई साहिब प्रदीप सिंह और प्रभजोत कौर दिल्ली वालों ने मनमोहक कीर्तन शब्द जो तीस भावे नानका,कांगो हंस करें, मेरे लालन की शोभा, दाना बीना साई मेडा नानक सार ना जाना तेरी इत्यादि द्वारा संगत को निहाल किया।

गुरु का अटूट लंगर प्रसाद वितरित किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने छक कर धर्म लाभ उठाया। भाई साहिब प्रदीप सिंह ने बताया की श्री गुरुग्रन्थ साहिब की किरपा जिस पर भी हो जाये तो क्या हंस ओर क्या कौआ,अपनी किरपा से कब कौवे को हंस बना दे पता ही नहीं चलेगा। रागों पर आधारित मनमोहक कीर्तन के द्वारा सभी संगतों को निहाल किया।

■ शहर सहित जिले भर के गुरुद्वारों में हुए धार्मिक आयोजन

संध्या फेरी में सतगुरु कॉलोनी से सिख संगत गुरुनानक देव जी की उस्तत करते हुए वाहेगुरु जी के गुणगान करते हुए सिख बाहुल्य क्षेत्र महावीर गंज,चांग चौराह रोड से किशनगंज होकर गुरुद्वारा साहिब पहुंची। जगह जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर फेरी का स्वागत किया। रात्रि में श्री गुरुनानक देव जी के जन्म के समय मिट्टी दुन्ध जग चानन होया के शब्द पढ़कर ओर अरदास करके बड़ी धूम धाम से प्रकाशोत्सव मनाया गया। प्रधान साहब स.साहिब सिंह जी व सेक्रेटरी स.पवन जोत सिंह जी ने सभी संगतों का सिख समाज की ओर से आभार प्रकट किया।

अगर आप अब तक टूर्नामेंट को देखें तो मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप के खिलाड़ी, सूर्यकुमार जैसे खिलाड़ी जो बीच के ओवरों से अंतिम ओवरों तक खूबसूरत खेल दिखा रहे हैं, उनमें चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता है और अपने खेल में नयापन लाकर वे खतरा बन गए हैं। - मैथ्यू हेडन

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, सूर्य कुमार यादव को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

मिताली राज

भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज अगले साल होने वाली महिला आईपीएल टूर्नामेंट में खिलाड़ी, मेंटोर (मार्गदर्शक) या टीम की मालिक बनने के लिए अपने विकल्पों को खुला रख रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में घोषणा की थी कि महिला आईपीएल के शुरुआती सत्र को अगले साल मार्च में आयोजित किया जायेगा, जो पुरूषों के आईपीएल से पहले होगा। मिताली ने साक्षात्कार में कहा, मैं इस लीग के लिए अपनी भूमिका को लेकर विकल्पों को खुला रख रही हूं, यह चाहे एक खिलाड़ी के रूप में हो या एक फ्रेंचाइजी में किसी तरह से जुड़ाव के तौर पर।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टैस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

सेमीफाइनल के लिए आज भिड़ेंगे पाकिस्तान और न्यूजीलैंड

सिडनी, 8 नवंबर। मेहनत से ज्यादा किस्मत की बदौलत टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची बाबर आजम के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की टीम बुधवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

दोनो टीमो के बीच पहला सेमीफाइनल मुकाबला नौ नवंबर को दोपहर 1.30 बजे से खेला जायेगा। आंकड़ो के लिहाज से पाकिस्तान का पलड़ा भारी दिखता है मगर विश्वकप में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी राह कतई आसान नहीं होगी। दोनो टीमो के बीच अब तक खेले गये सभी टी-20 विश्वकप में यह सातवीं भिड़ंत होगी। टी-20 विश्वकप मुकाबलों में अब तक कीवी टीम के खिलाफ पाकिस्तान के सिर चार बार जीत का सेहरा बांधा है जबकि दो बार उसे हार का सामना करना पड़ा है।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड को उसके घर में हरा कर त्रिकोणीय श्रृखंला जीतने वाली बाबर की टीम पहले ही मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर चुकी है। सेमीफाइनल में पाक टीम इसका फायदा उठाने की पुरजोर कोशिश करेगी। शनिवार शाम तक पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाये काफी क्षीण बनी हुयीं थी मगर रविवार की सुबह उनके लिये आशा भरी किरण लेकर आयी जब नीदरलैंड ने जबरदस्त उलटफेर करते हुये मजबूत दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हरा दिया। अब पाकिस्तान के लिये सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये सिर्फ बांग्लादेश को हराना था और महत्वपूर्ण मैचों में जीत की आदत रखने वाली बाबर आजम की टीम ने इसे संभव कर दिखाया। पाकिस्तान की मौजूदा विश्वकप अभियान की शुरूआत बेहद निराशाजनक थी जब टीम अपने चिर प्रतिद्वंदी भारत से हारने के बाद कमजोर जिम्बाव्वे से भी पिट गयी थी जिसके बाद विश्वकप की रेस से उसके बाहर होने की संभावनायें गहरा गयी थी मगर टीम ने अगले तीन मुकाबले जीत कर जबरदस्त वापसी की। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पाक टीम को अब खिताब का प्रबल दावेदार माना जाने लगा है। वहीं अब तक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में महती भूमिका अदा करने वाले मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफ्तिखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसको की उम्मीदें टिकी होंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी ही रहेगी हमारा मुख्य हथियार : विलियम्सन

सिडनी, 8 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने मंगलवार को कहा कि आस्ट्रेलिया में मौजूदा टी-20 विश्व कप में अब तक उनकी पूरी टीम खासकर गेंदबाजों की भूमिका अहम रही है और उम्मीद है कि पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में भी गेंदबाजों का उत्कृष्ट प्रदर्शन टीम की जीत का मार्ग प्रशस्त करेगा। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबले की पूर्व संध्या पर विलियम्सन ने कहा वे हमारे लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमारे लिए लंबे समय तक खेला है, चाहे वह विकेट लेना हो या विशेष रूप से उन परिस्थितियों में तालमेल बैठाना जो निश्चित रूप से हमें विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों में आने के लिए चाहिए। कल हम एक और टीम के खिलाफ उतरेंगे और हमें उन समायोजनों को फिर से करना होगा। न्यूजीलैंड ने इस विश्व कप में पांच गेंदबाजों को लेकर उतरा है जिनमें तीन का इकॉनमी रेट सात से कम है। टिम साउदी ने 6.35, मिशेल सेंटनर ने 6.43 और ईश सोढ़ी ने 6.78 की इकानमी के साथ शानदार प्रदर्शन किया है हालांकि लॉकी फर्ग्यूसन (8.13) और ट्रेंट बोल्ट (7.18) थोड़े महंगे साबित हुये हैं। एससीजी को लेकर विलियम्सन ने कहा मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है, हमने यहां पहला मैच खेला, विकेट बहुत अच्छा था और फिर दूसरी बार जब हम यहां खेले तो यह बदल गया था। कभी-कभी आप शायद वह ले सकते हैं जिसकी आप उम्मीद कर रहे थे कि विकेट ऐसा होगा। पहले गेम में और लगता है कि यह उसी तरह से व्यवहार करेगा।

हेडन को उम्मीद, खास पारी खेलेंगे बाबर

सिडनी, 8 नवंबर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मेंटर (मार्गदर्शक) मैथ्यू हेडन ने टी20 खराब लय में चल रहे कप्तान बाबर आजम का समर्थन करते हुए उम्मीद जतायी कि वह मौजूदा विश्व कप के नॉकआउट चरण में 'कुछ खास' करेंगे। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर काबिज बाबर मौजूदा टूर्नामेंट में बल्ले से पूरी तरह से विफल रहे है। इस टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ 33 गेंदों में 25 रनों की पारी पिछले पांच मैचों में उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। हेडन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, " आपने अगर अब तक शानदार खेल नहीं देखा है तो आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं क्योंकि बेहतरीन खिलाड़ियों को ज्यादा समय तक खामोश नहीं रखा जा सकता।"

अभ्यास के दौरान रोहित को लगी चोट

एडिलेड, 8 नवंबर। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड में टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मैच खेलने की तैयारी कर रहे भारत के कप्तान रोहित शर्मा नेट प्रैक्टिस के दौरान चोट खा बैठे। क्रिकइंफो के अनुसार रोहित थ्रोडाउन विशेषज्ञ की गेंदो को खेल रहे थे कि इस बीच एक गेंद उनके हाथ पर लगी जिसके बाद वे दर्द से कराह उठे।

टीम के फीजियो ने उनका हल्का उपचार किया जिसके बाद भारतीय कप्तान दोबारा अभ्यास के लिये नेट पर लौटे मगर एक गेंद खेलने के बाद उन्होने बल्ला किनारे कर लिया। वेबसाइट द्वारा जारी वीडियो में रोहित एक आइस बाक्स पर बैठ गये जहां चोटिल रोहित से मेंटल कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन ने बात की। गौरतलब है कि दस नवंबर को भारत टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा जबकि नौ नवंबर को पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान की टक्कर न्यूजीलैंड से होगी।

बीडब्लूएफ रैंकिंग : लक्ष्य करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी पायदान पर

कुआलालंपुर, 8 नवंबर। भारतीय स्टार शटलर लक्ष्य सेन बीडब्ल्यूएफ द्वारा जारी ताजा विश्व रैंकिंग में दो स्थान की छलांग के साथ पुरुष एकल वर्ग में छठी पायदान पर पहुंच गये हैं जो उनके करियर में अब तक का सर्वश्रेष्ठ है।

पिछली जनवरी में इंडिया ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट और मार्च में प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में रजत पदक जीतने के बाद सेन ने इस साल की शुरुआत में शीर्ष 10 में अपनी जगह बनायी थी। बीडब्लूएफ की मंगलवार को जारी पुरूष एकल रैंकिंग में किदांबी श्रीकांत 11वें और फार्म में चल रहे एचएस प्रणय 12वें स्थान पर हैं।

महिलाओं में पीवी सिंधु एकल वर्ग में पांचवें स्थान पर रही, जबकि सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर सात का रूतबा हासिल किया है। साईराज और चिराग ने फ्रेंच ओपन खिताब जीतने के बाद सुपर 750 टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय युगल टीम बनकर इतिहास रच दिया है। महिला युगल में, अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की अनुभवी जोड़ी दुनिया में 21वें नंबर पर बनी हुई है। गायत्री गोपीचंद और त्रेसा जॉली की उभरती युवा जोड़ी पांच पायदान चढ़कर दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी बन गई है। मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्तो और ईशान भटनागर दो पायदान के फायदे से 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गर्सिया ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का एकल खिताब

फोर्ट वर्थ, 8 नवंबर। फ्रांस की कैरोलिन गर्सिया ने आर्या सबलेंका को 7-6 (4), 6-4 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियनशिप का एकल खिताब जीत लिया है। 29 वर्षीय गर्सिया ने इस साल खेले गए सभी फाइनल जीते हैं। सबलेंका के खिलाफ हालांकि पहले सेट में उन्हे कड़ा संघर्ष करना पड़ा मगर दूसरा सेट उन्होने आसानी से अपने नाम कर लिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गर्सिया ने कहा यह निश्चित रूप से बहुत बड़ी खुशी है। पूरे साल हमने जो काम किया, उस पर वास्तव में गर्व है। यह एक शानदार मैच था। मैं अपना सबसे बड़ा खिताब जीतकर वास्तव में खुश हूं।

मनन के गोल से जगुआर ने सिटी को हराया

दिल्ली, 8 नवंबर। फुटबाल दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग में खेले गए मैच में मंगलवार को नेहरू स्टेडियम पर जगुआर एफसी ने सिटी फुटबाल क्लब को मनन बलूनी के एकमात्र गोल से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में जगुआर के गोल कीपर यश कुलकर्णी ने कई सुंदर बचाव किए। पुरस्कार स्वरूप यश को मैन आफ द मैच आंका गया। विजेता टीम ने पांच मैच खेल कर पहली जीत अर्जित की है। तीन हार और एक ड्रॉ के साथ जगुआर ने चार अंक जुटाए हैं। सिटी ने छह मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ सात अंक बनाए हैं। लीग मुकाबले आधे से ज्यादा सफर तय कर चुके हैं ,जिनमें सीआईएसएफ प्रोटेक्टर चार जीत, एक ड्रॉ और एक हार के साथ 13 अंक जुटा कर सबसे आगे है। गढ़वाल डायमंड ने पांच में से चार मैच जीते और एक हार मिली है। गढ़वाल के 12 अंक हैं। दिल्ली टाइगर्स और शास्त्री ने छह छह मैच खेले हैं और क्रमश: 12 और 10 अंक जोड़े हैं।

रियाल मैड्रिड को मिली स्पेनिश लीग में पहली हार

मैड्रिड, 8 नवंबर। रियाल मैड्रिड को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के वर्तमान सत्र में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा जिससे वह शीर्ष पर पहुंचने से चूक गया। रायो वालेकाना ने 3-2 से जीत दर्ज करके रियाल मैड्रिड के छह मैचों से चला आ रहे विजय अभियान पर रोक लगाई। इस हार से रियाल का फिर से शीर्ष पर पहुंचने का सपना भी चकनाचूर हो गया । रियाल मैड्रिड अब अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना से दो अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। रियाल मैड्रिड की यह वर्तमान सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में केवल दूसरी हार है। इससे पहले उसे चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में लिपजिग से हार का सामना करना पड़ा था। रियाल मैड्रिड ने इस सत्र में जो पहले 19 मैच खेले थे उनमें से 15 में उसने जीत दर्ज की थी जबकि तीन मैच ड्रा रहे थे। रायो ने पूरे मैच के दौरान बेहतर खेल दिखाया तथा रियाल मैड्रिड पर 21 मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे पहले उसने 2019 में रियाल मैड्रिड को हराया था।

हरमनप्रीत ने कहा, हमें कार्ड लेने से बचना होगा

नयी दिल्ली, 8 नवंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खुशी है कि एफआईएच प्रो लीग के मैचों में मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के सामने गलतियां करने के बावजूद उनकी टीम ने संयम बनाए रखा लेकिन उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ियों को कार्ड लेने से बचना होगा। भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह भुवनेश्वर में प्रो लीग के मैचों में ठोस प्रदर्शन किया। उसने न्यूजीलैंड को 7-4 से करारी शिकस्त दी जबकि स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया। इस टूर्नामेंट में भारत की अगुवाई करने वाले हरमनप्रीत ने कहा कि आगामी विश्वकप से पहले कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें टीम सुधार कर सकती है। विश्व कप अगले साल 13 जनवरी से भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जाएगा। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा," टीम ने इन मैचों में अच्छा प्रयास किया लेकिन हम कार्ड हासिल करने से बच सकते हैं। क्योंकि इससे हम एक खिलाड़ी को गंवा देते हैं और ऐसे में अन्य खिलाड़ियों को अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं।" उन्होंने कहा," एक खिलाड़ी के कम होने पर हम अपनी टीम का संयोजन कैसे तैयार करें इसको लेकर हम अभ्यास करते हैं। इसलिए कार्ड मिलने के बावजूद हमने अच्छी तरह से बचाव किया लेकिन फिर भी कार्ड लेने से बचना महत्वपूर्ण है।"

सबलेंका को हराकर गर्सिया ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

फोर्ट वर्थ, 8 नवंबर। कैरोलीन गर्सिया ने आर्यना सबलेंका को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का एकल खिताब जीता। गर्सिया को पहले सेट में जूझना पड़ा लेकिन आखिर में उन्होंने सबलेंका पर 7-6 (4), 6-4 से जीत दर्ज की। छठी वरीयता प्राप्त गर्सिया सत्र की आखिरी प्रतियोगिता को जीतने वाली दूसरी फ्रांसीसी खिलाड़ी बन गई है। उनसे पहले 2005 में एमेली मौरेस्मो ने यह चैंपियनशिप जीती थी। वह इससे पहले आखिरी साल था जब अमेरिका में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इससे पहले वेरोनिका कुद्रमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने मौजूदा चैम्पियन बारबोरा क्रेजिसिकोवा और कटरीना सिनियाकोवा को 6-2, 4-6, 11-9 से हराकर युगल खिताब जीता। कुद्रमेतोवा और मर्टेंस टाईब्रेकर में एक समय 7-2 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर खिताब अपने नाम किया। क्रेजिसिकोवा और सिनियाकोवा ने इस साल जिन तीन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था उनमें उन्होंने खिताब जीता था लेकिन वह अपने सत्र का शानदार अंत नहीं कर पाए।

नीदरलैंड के स्टीफन मायबर्ग ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया सन्यास

एडिलेड, 8 नवंबर। टी-20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल की रेस से बाहर करने वाली नीदरलैंड टीम के सलामी बल्लेबाज स्टीफ़न मायबर्ग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है।

मायबर्ग ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, ' हैंगिंग अप द बूट्स...। ईश्वर महान है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मैं विश्व कप में अपना करियर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ समाप्त करूंगा। यह याद हमेशा ताजा रहेगी। मैं केएनबीसी क्रिकेट और नीदरलैंड का आभारी हूं। जीसस,दोस्त, परिवार, प्रायोजक और सभी समर्थकों को मैं केवल धन्यवाद कह सकता हूं।

उन्होने कहा कि मैने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए सन्यास का मन बनाया है। हालांकि वह क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे। गौरतलब है कि पिछले रविवार को टी-20 विश्वकप के अपने अंतिम लीग मैच में नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को जबरदस्त उलटफेर करते हुये 13 रन से हरा दिया था। इस मैच में 38 वर्षीय मायबर्ग ने मात्र 30 गेंदों में 37 रन बना कर अपनी टीम को मजबूत आधार दिया जिसकी बदौलत नीदरलैंड चार विकेट पर 158 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर सकी थी। प्रिटोरिया में जन्मे मायबर्ग ने 2011 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और अपने करियर में 22 वनडे और 45 टी-20 मैच खेले हैं। उन्होने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था। मायबर्ग ने अपने टी-20 करियर में 21.78 के औसत और 114.51 के स्ट्राइक रेट से 915 रन बनाये हैं। वह मैक्स ओडॉव और बेन कूपर के बाद टी-20 इंटरनेशनल में नीदरलैंड के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

एमआई केपटाउन 'एसए20' लीग के शुरुआती मैच में पार्ल रॉयल्स की मेजबानी करेगा

केपटाउन, 8 नवंबर। एमआई केपटाउन की टीम एसए20 लीग (दक्षिण अफ्रीका की नयी घरेलू टी20 लीग) में 10 जनवरी को यहां के न्यूलैंड्स क्रिकेट मैदान में खेले जाने वाले शुरुआती मैच में पार्ल रॉयल्स के खिलाफ अपने अभियान को शुरू करेगी। दक्षिण अफ्रीका की इस शीर्ष टी20 लीग के शुरू होने से दो महीने पहले छह स्थानों पर खेले जाने वाले 33 मैचों के पूर्ण मैच कार्यक्रम की घोषणा मंगलवार को की गई। अंतरराष्ट्रीय सितारों से सजी एमआई केपटाउन अपने घरेलू मैदान न्यूलैंड्स में दर्शकों को लुभाने की कोशिश करेगा। इस टीम में स्थानीय दिग्गज कागिसो रबाडा, अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान, बड़े शॉट खेलने वाले इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। रॉयल्स की टीम में भी सितारों की कमी नहीं है। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के प्रारूप के कप्तान जोस बटलर के अलावा 2019 विश्व कप विजेता टीम के साथी जेसन रॉय और इयोन मोर्गन रॉयल्स का हिस्सा है। पूर्व खिलाड़ी जेपी डुमिनी इस टीम के मुख्य कोच है जिसमें डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी और तबरेज शम्सी की स्थानीय तिकड़ी भी मौजूद है। इस लीग के सभी मैच भारत में वायाकॉम 18 स्पोर्ट्स पर प्रसारित होंगे। लीग आयुक्त ग्रीम स्मिथ ने कहा, एसए20 के शुरूआती सत्र के लिए कार्यक्रम की घोषणा करना हम सभी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।"

एआईएफएफ की 80,000 रुपये मासिक वेतन पर 50 पेशेवर रेफरी रखने की योजना

नयी दिल्ली, 8 नवंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) देश में रेफरी के स्तर को ऊपर उठाने के उद्देश्य से अनुबंध के आधार पर 50 रेफरी नियुक्त करने और उन्हें मासिक वेतन के रूप में 'अच्छी' राशि का भुगतान करने की तैयार कर रहा है। एआईएफएफ की कोशिश है कि रेफरी को आजीविका के लिए किसी और काम का सहारा ना लेना पड़े। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि रेफरी के स्तर में तभी सुधार किया जा सकता है जब भारतीय रेफरी अपने परिवार को चलाने के लिए पर्याप्त कमाई कर सके और इस पेशे को पूर्णकालिक काम की तरह करे।

इंडियन सुपर लीग टीमों के विदेशी कोच भारतीय रेफरी की उनकी 'त्रुटियों' के लिए आलोचना करते रहे हैं। चौबे ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा से कहा, "आईएसएल, आई-लीग या संतोष ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंटों में रेफरी के गलत फैसले से जुड़ी शिकायतें मिलती रही है। इससे टीमों का प्रदर्शन प्रभावित होता है।"

उन्होंने बताया, मौजूदा समय में रेफरी का पारिश्रमिक बहुत कम है। राज्य लीग में एक रेफरी को 2500 से 5000 रुपये और राष्ट्रीय लीग में 8000 से 10,000 रुपये तक मिलते हैं। यह सालाना ढाई लाख रुपये से तीन लाख रुपये होते हैं जो आजीविका चलाने के लिए काफी कम हैं। "

उन्होंने कहा, हमने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए तय किया है कि 50 रेफरी नियुक्त किए जाएंगे और उनमें से प्रत्येक को 50,000 से 80,000 रुपये प्रति माह का वेतन दिया जाएगा, जो एक रेफरी के लिए अपने परिवार के खर्चों को चलाने के लिए पर्याप्त होगा।" उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर रेफरी पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

चंद्रपॉल, कादिर और एडवर्ड्स आईसीसी हाल ऑफ फेम में शामिल

दुबई, 8 नवंबर। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को गुजरे जमाने के तीन महान खिलाडियों शिवनारायण चंद्रपॉल, चार्लोट एडवर्ड्स और अब्दुल कादिर को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। आस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में खेल शुरू होने से पहले तीनो खिलाडियों को सम्मानित किया जायेगा। इनमे से पाकिस्तान के अब्दुल कादिर को मरणोपांत यह सम्मान दिया जायेगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों का जश्न मना रहा है जिन्होंने क्रिकेट के इतिहास को आकार दिया है। शिवनारायण, चार्लोट और अब्दुल के स्थायी योगदान को याद करना अद्भुत है। क्रिकेट के इन तीन दिग्गजों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर जबरदस्त सफलता मिली और वे आईसीसी हॉल ऑफ फेमर्स के रूप में अपनी स्थिति के बड़े पैमाने पर हकदार हैं।

भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर निवेश एकमात्र तरीका : भूटिया

बेंगलुरू, 8 नवंबर। भारत के पूर्व फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया का मानना है कि देश में खेल को आगे ले जाने के लिए जमीनी स्तर पर विकास में निवेश ही एकमात्र रास्ता है। भूटिया ने कहा कि देश में सभी उम्र के फुटबॉलरों को अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त प्रतिस्पर्धी मैच खेलने का मौका मिलना चाहिए।

भूटिया ने मंगलवार को एक कार्यक्रम के इतर से कहा, "आपको युवाओं, जमीनी स्तर के विकास में निवेश करने की जरूरत है और फिर इससे खिलाड़ियों और क्लब को फायदा होगा। इसी तरह देश में फुटबॉल का विकास होता है। अगर आप भारत में फुटबॉल को वास्तव में आगे ले जाना चाहते हैं तो यही एकमात्र तरीका है।"

उन्होंने कहा, "हमें ग्रामीण इलाकों, जिलों और राज्य स्तर पर बच्चों तक पहुंचना होगा। दुख की बात है कि हम उन्हें प्रतिस्पर्धा का मौका नहीं दे रहे। बच्चे अपने स्वयं के आयु वर्ग के भीतर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं हैं। यह सबसे बड़ी चुनौती है।" अपने जमाने के दिग्गज स्ट्राइकर भूटिया ने यूरोपीय क्लबों द्वारा अपनाए जाने वाले फॉर्मूले को अपनाने की भी वकालत की जो युवा प्रतिभाओं में निवेश करते हैं और उन्हें स्तरीय खिलाड़ी बनने के लिए तैयार करते हैं।

उन्होंने कहा, "इस मॉडल को भारतीय फुटबॉल क्लबों द्वारा अपनाया जाना चाहिए। इस तरह आप जमीनी स्तर पर निवेश करते हैं। अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में बहुत सारे क्लब जमीनी स्तर से युवा प्रतिभा को अपने साथ जोड़ते हैं, उन्हें प्रशिक्षित करते हैं और फिर उन्हें यूरोप के बड़े क्लबों में बेचते हैं। वे वापस जाते हैं और अपने देश के लिए खेलते हैं और यहीं से देश को भी प्रतिभा का लाभ मिलता है।" भूटिया ने कहा, "इस तरह फुटबॉल बढ़ता है।

सूर्यकुमार ने लंबा सफर तय किया, उम्मीदों से बेहतर कर रहा : एबी डिविलियर्स

नयी दिल्ली, 8 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे टी20 विश्व कप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार यादव ने '360 डिग्री' बल्लेबाज के तौर पर एबी डिविलियर्स से अपनी तुलना को अपरिपक्व कहा था लेकिन दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ने इसे उचित करार दिया। क्रिकेट में मैदान के हर तरफ शॉट लगाने की काबिलियत के कारण डिविलियर्स को मिस्टर 360 डिग्री के उपनाम से जाना जाता है। सूर्यकुमार ने मौजूदा विश्व कप के पांच मैचों में 225 रन बनाये हैं जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 193.97 का रहा है। उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की अपनी क्षमता से विशेषज्ञों और प्रशंसकों को आश्चर्यचकित किया है। इस 32 साल के खिलाड़ी ने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में भी मन मुताबिक रन बटोरे।सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पर्थ में ऐसी ही पारी खेली थी। डिविलियर्स से अपनी तुलना को खारिज करते हुएसूर्यकुमार ने कहा था कि सिर्फ एक ही खिलाड़ी 'मिस्टर 360 डिग्री' जैसे तमगे का हकदार है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ऐसा नहीं मानते। उन्होंने कहा, मैं सूर्यकुमारके लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि वह बहुत लंबा सफर तय कर चुका है। मुझे उम्मीद नहीं थी की वह इतना बेहतर करेगा।" डिविलियर्स ने कहा, "वह शुरुआत में

संभल कर खेलने के बाद गेंदबाजों पर दबदबा बनाता है। यह देखना दिलचस्प है और उसका भविष्य शानदार है।" डिविलियर्स से जब पूछा गया कि क्या समय आ गया है जब सूर्यकुमार यादव की तुलना उनसे की जाये तो उन्होंने कहा, "हां, वह मेरी तरह ही खेलता है। उसे सिर्फ अपने प्रदर्शन में निरंतरता पर ध्यान देना होगा। उसे अगले पांच-दस साल तक ऐसा ही करना होगा।" इस 38 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में चार सर्वश्रेष्ठ टीमें पहुंची है लेकिन अंतिम चार के फैसले के लिए और अधिक मैच खेले जाने चाहिए थे। भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। इस टूर्नामेंट में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। क्वालीफाइंग चरण के बाद बारह टीमों ने सुपर 12 चरण का गठन किया जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया। लीग चरण में टीमों ने पांच मैच खेले और डिविलियर्स के लिए यह संख्या के पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि दुनिया की शीर्ष चार टीमें विश्व कप के सेमीफाइनल में हैं। मै यह भी मानता हूं कि इसे तय करने के लिए और अधिक मैच खेले जाने चाहिए थे।" उन्होंने कहा कि मुख्य चरण में हर टीमों को एक दूसरे का सामना करने का मौका मिलना चाहिए था और फिर आईपीएल की तर्ज पर अंतिम चार का आयोजन होना चाहिये। उन्होंने कहा, "मेरे मुताबिक यह सही होगा। इससे 99 प्रतिशत बार आप सर्वश्रेष्ठ टीम को फाइनल में पहुंचते देखेंगे।"

ई.डब्ल्यु.एस. कोटे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देंगे स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन ने अन्य पार्टियों का समर्थन पाने के लिए 12 नवम्बर को सर्वदलीय बैठक बुलाई

■ **मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा है कि, कोर्ट के इस फैसले से 100 सालों से लड़ी जा रही लड़ाई को बहुत बड़ा आघात पहुंचा है, और इसके कारण सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंचेगा।**

चेन्नई, 8 नवंबर (वार्ता)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ द्रविण मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने 12 अक्टूबर को सभी विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई है जिसमें इकोनॉमिकली वीकर सैक्शंस (ई.डब्ल्यू.एस.) को आरक्षण को लेकर आगे की कार्रवाई पर चर्चा होगी।

स्टालिन ने उच्चतम न्यायालय द्वारा ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रखने के एक दिन बाद यह बैठक बुलाने का निर्णय लिया है।

मंगलवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि, बैठक 12 नवंबर को पूर्वाह्व 10.30 बजे राज्य सचिवालय के नमक्कल कविनार मालिगई में होगी।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि चूंकि यह आरक्षण सामाजिक न्याय और समानता को बनाए रखने और सामाजिक न्याय की नीति के खिलाफ है, इसलिए 12 अक्टूबर को सभी विधायक दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई गई है, ताकि आगे की कार्रवाई पर चर्चा की जा सके। मुख्यमंत्री ने सभी विधायक दलों के नेताओं को बैठक के लिए आमंत्रित करने के लिए पत्र भेज दिया है। बैठक में प्रत्येक पार्टी के दो प्रतिनिधियों को बैठक में भाग लेने की अनुमति है।

उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने सोमवार को ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रखने का फैसला किया है। इस फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्टालिन ने इसे सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए सदियों पुराने संघर्ष के लिए एक झटका करार दिया।

स्टालिन ने कहा कि द्रमुक 2019 में अगड़ी जातियों को ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण की सुविधा देने वाले केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई का नेतृत्व कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आज दिए गए फैसले को सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए सदियों पुराने संघर्ष के लिए एक झटका माना जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ हमारी लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए अगला कदम पूरे फैसले का अध्ययन करने और कानूनी विशेषज्ञों के परामर्श के बाद तय किया जाएगा।

झारखण्ड इनकम टैक्स छापे में 100 करोड़ रु. की सम्पत्ति बरामद हुई

नई दिल्ली, 8 नवंबर (वार्ता)। आयकर विभाग ने झारखंड में दो राजनेताओं और उनके सहयोगियों के यहां की गयी छापेमारी में दो करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त करने के साथ ही 100 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसा लेनदेन और निवेश किये जाने का पता लगाया है।

विभाग ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि गत चार नंबवर को यह कार्रवाई की गयी थी। दो राजनेताओं और उनके सहयोगियों के कोयला कारोबार, परिवहन, ठेका, लौह अयस्क खनन और कच्चे लौहे के उत्पादन से जुड़े कारोबार को लेकर यह छापेमारी की गयी। विभाग ने एक साथ रांची, गोड्डा, बेरमो, दुमका, जमशेदपुर, झाईबासा, पटना, गुरूग्राम और कोलकाता स्थित 50 परिसरों पर छापेमारी की।

इस दौरान जो साक्ष्य मिले उससे पता चला है कि इन समूहों ने कर चोरी के लिए विभिन्न तरीकों को अपनाया और व्यय को बहुत बढ़ा चढ़ा कर दिखाया।

राजेश शर्मा को राष्ट्रीय ब्राह्मण शिरोमणि अवॉर्ड

राष्ट्रदूत के सम्पादक राजेश शर्मा जी को सर्व ब्राह्मण महासभा ने राष्ट्रीय ब्राह्मण शिरोमणि अवॉर्ड से सम्मानित किया।

■ **सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में, निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने यह अवॉर्ड दिया।**

■ **सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, हाई कोर्ट की पूर्व जस्टिस ज्ञान सुधा मिश्रा भी कार्यक्रम में मौजूद थे।**

नई दिल्ली, 8 नवम्बर (कासं)। सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित राष्ट्रीय ब्राह्मण अधिवेशन में दैनिक राष्ट्रदूत समाचार पत्र के संपादक राजेश शर्मा को राष्ट्रीय ब्राह्मण शिरोमणि अवॉर्ड से नवाजा गया।

समारोह में मुख्य अतिथि निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने यह अवॉर्ड भेंट किया।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि कानूनविद् एडवोकेट एच.सी. गणेशिया, उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधिपति जस्टिस ज्ञान सुधा मिश्रा, सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा, संयोजक राकेश के. शुक्ला और मेहंदीपुर बालाजी ट्रस्ट के शिक्षा सचिव सुदीप तिवाड़ी मौजूद थे।

इस राष्ट्र स्तरीय समारोह का संचालन जानी-मानी कलाकार रमा पाण्डे और आचार्य राजेश्वर तथा पं. अभिषेक अवस्थी ने किया। महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में देशभर से 25 राज्यों के प्रतिनिधि शरीक हुए।

जिनमें आईएएस, आईपीएस, फिल्म निर्माता, कानूनविद, चिकित्सा, ज्योतिष, संगीत-साहित्य, गौ सेवा और पत्रकारिता सेवा से जुड़े लोग भी शामिल थे।

रिज़ल्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है जिससे सभी कार्य नहीं हो पा रहे हैं। अभिभावक बार- बार स्कूलों में जाकर जानकारी लेते हैं लेकिन स्कूलों के संस्था प्रधानों से संतोषजनक जबाब नहीं मिल पा रहा है। कक्षा पांचवीं में 14 लाख व 53 हजार और कक्षा आठवीं में 12 लाख 63 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। अंकतालिका कब तक आयेगी इसके बारे मे कोई जानकारी नहीं है। राज्य में इतना समय तो कक्षा 10 व 12वीं की अंकतालिका आने में भी नहीं लगता है। शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद का कहना है कि राज्य के लाखों विद्यार्थियों को समय पर अंकतालिका नहीं मिलना खेद का विषय है। इससे विद्यार्थियों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिक्षक संघ रेसटा की राज्य के शिक्षा मंत्री व निदेशक से मांग है कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लेते हुए स्कूलों में अंकतालिकाएं भिजवाई जाएं।

चीन के राष्ट्रपति शी यूक्रेन में न्युक्लियर बम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यही इंगित किया है कि वह परमाणु हथियारों का प्रयोग कर सकती है।''

''इसके साथ ही उसने कई बार यह भी कहा है कि वह परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा। अत: इस मामले में रूस की स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन वह फिर भी चिन्ताजनक है। आप परमाणु हथियार को खिलौने की जैसे इस्तेमाल नही कर सकते।'' अमेरिका ने कहा है कि ऐसा कोई संकेत नहीं है कि रूस परमाणु हथियारों के उपयोग की तैयारी कर रहा है, लेकिन उसने मॉस्को की परमाणु हथियारों की बात को भयाक्रांत करने वाला बताते हुए उसकी आलोचना की। वॉशिंगन और ग्रुप 7 के अन्य देशों ने भी मॉस्को के इस दावे को खारिज किया है कि कीव ने उसकी भूमि पर ''डर्टी बम'' का प्रयोग करने की योजना बनाई थी। डर्टी बम एक रेडियोएक्टिव विस्फोटक होता है जिसका उद्‌देश्य भारी जनहानि करने के बजाए प्रदूषण फैलाना होता है।

व्लादिवोस्तोक स्थित फार ईस्टर्न फैडरल यूनिवर्सिटी में इन्टरनेंशन स्टडीज़ के एक एसोसिएड प्रोफेसर ऑर्टोम ल्यूकिन झाउ की इस बात से सहमत हैं, कि यूक्रेन में परमाणु हथियारों को लेकर शी के विरोध के बावजूद रूस के साथ चीन के संबंध खराब नही होंगे। उन्होंने कहा कि ''रूस ने अपने पूर्व उन अन्तर्राष्ट्रीय बयानों से कभी कि नारा नहीं किया कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कभी नहीं करना चाहिए और यह कि परमाणु युद्ध कभी नहीं जीते जा सकते तथा इन्हें कभी नहीं लड़ा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इसलिए शुल्ज़ को दिया गया शी का बयान मॉस्को की स्थिति के अनुरूप है, लेकिन रूस ने नाटो को सैनिक भेजने से डराने के लिए पश्चिमी देशों के खिलाफ इन हथियारों के संभावित प्रयोग का इशारा किया था और वह अब भी इनके इस्तेमाल की धमकी दे रहा है। ईस्ट चाहना नॉर्मल यूनिवर्सिटी के सैन्टर फोर रशियन स्टडीज़ के एक एसोसिएट प्रोफेसर वॉन क्विनसांग ने भी कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के प्रयोग का विरोध करने से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध खराब नहीं होंगे क्योंकि परमाणु हथियारों के संचालन नियमों को तय कने में रूस की भी भूमिका थी।

'जो नेता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदारी है। अगर वे अपनी नैतिक जिम्मेदारी नहीं निभाते हैं तो समय किसी का गुलाम नहीं है। जब समय आएगा तो अपने आप फैसला होगा। पार्टी अब भी हर बात को नोट कर रही है। चाहे प्रदेश कांग्रेस कमेटी हो या फिर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी। गलत बयानबाजी करने वाले हर नेता की बात नोट की जा रही है। चाहे मंत्री हो या विधायक इस तरह नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि अगर जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग कुछ बोलकर पार्टी नुकसान करते हैं तो जनता और कार्यकर्ता उन्हें माफ नहीं करेंगे।''

भारत-फ्रांस के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। यहां के आसमान में गूंजती राफेल, सुखोई और तेजस जैसे एडवांस्ड फाइटर जेट की आवाजें दुश्मनों को डराने के लिए काफी हैं। गौरतलब है कि इन दिनों यहां भारत और फ्रांस की एयरफोर्स के बीच गरुड़-7 युद्धाभ्यास किया जा रहा है।

करीब दस दिन से जारी इस युद्धाभ्यास में आज दोनों देशों के एयर चीफ ने भी फाइटर जेट्स में करीब एक घंटे तक उड़ान भरी। इस अभ्यास में हवा में फ्यूल भरने से लेकर वैपन सिस्टम के नए सिरे से यूज करने की प्रैक्टिस की गई। मंगलवार को एक साथ 10 फाइटर जेट और एक ट्रांसपोर्टर एयरक्राफ्ट ने एयरबेस से उड़ान भरी। ये सभी फाइटर जेट हवा में प्रैक्टिस करते रहे, वहीं ट्रांसपोर्टर एयरक्राफ्ट ने हवा में विमानों में फ्यूल भरने की प्रैक्टिस की।

मंगलवार को सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर जोधपुर एयरबेस से राफेल, सुखोई और तेजस फाइटर जेट ने उड़ान भरी। खास बात यह भी रही कि इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर चौधरी ने राफेल और फ्रांसीसी एयरफोर्स फ्रेंच आर्मी डे एयर के चीफ जनरल स्टीफन ने सुखोई में को-पायलट के तौर पर उड़ान भरी।

ये दूसरा मौका है जब जोधपुर एयरबेस पर गरुड़ युद्धाभ्यास के दौरान दोनों देशों के चीफ ने एक दूसरे के फाइटर उड़ाए। इससे पहले साल 2014 में गरुड़ के 5वें संस्करण के दौरान भारतीय वायुसेना के तत्कालीन चीफ अरूप राहा और फ्रांसीसी चीफ डेनिस मेर्सियर ने उड़ान भरी थी।

जोधपुर में भारत और फ्रांस की एयरफोर्स का संयुक्त युद्धाभ्यास 26 अक्टूबर से शुरू हुआ। यह 12 नवंबर तक चलेगा। इस वॉर प्रैक्टिस के जरिए दोनों देशों की एयरफोर्स के पायलट्स एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। दोनों देशों की एयरफोर्स के बीच गरुड़ सीरिज के पहले छह युद्धाभ्यास हो चुके हैं, उनमें से तीन भारत में और तीन फ्रांस में हुए हैं। इससे पहले वर्ष 2014 में जोधपुर में यह युद्धाभ्यास हो चुका है।

नीतीश, गुजरात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात में एक राजनैतिक ताकत के रूप में जे.डी.यू. पतनोन्नमुखी रही है। 2002 में, जे.डी.यू. ने गुजरात की 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था तथा केवल 2 सीटें जीती थीं, जबकि उसके 27 उम्मीदवारों की जमानतें जब्त हो गई थीं। 2007 में, पार्टी ने 35 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े किये थे तथा केवल 1 सीट जीती थी। 2017 के चुनावों में जिन 28 सीटों पर उसने चुनाव लड़ा था, उनमें से एक भी सीट वह नहीं जीत पायी थी।

पिछले वर्षों में, वसावा ने विभिन्न राजनैतिक दलों की तरफ मित्रता का हाथ बढ़ाया है। 2017 के गुजरात चुनावों में, उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, जिसने बी.टी.पी. को 5 सीटें आवंटित की थीं।

इनमें से बी.टी.पी. दो सीटों पर जीती थी- डेडिया पाड़ा से महेश वसावा तथा भरूच जिले के झगाड़िया सीट से स्वयं छोटूभाई चुनाव जीते थे। इस साल के शुरु में, वसावा ने आप के साथ चुनाव-पूर्व गठजोड़ की घोषणा कर दी थी, लेकिन यह समझौता उन्होंने एकपक्षीय रूप से मई में खत्म कर दिया था।

बाल श्रम के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि, अभियुक्त मोहम्मद सय्यूम उन्हें यहां लेकर आया है। बच्चों ने बताया कि, वह उनसे जबरन चूड़ियां बनवाने का काम करवाता है। करीब पंद्रह घंटे काम कराने के बाद भी उन्हें भरपेट भोजन भी नहीं दिया जाता। इसके अलावा न तो उन्हें बाहर आने-जाने दिया जाता है और ना ही किसी व्यक्ति से बातचीत करने देता है। इस पर पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

भारत जोड़ो यात्रा अब तीन दिन पहले, 3 दिसंबर को आएगी राजस्थान में

पिड़ावा से राजस्थान में प्रवेश करेगी, 6 जिलों से होते हुए मेवात में जायेगी, मालाखेड़ा में बड़ी सभा होगी

■ **पायलट, गहलोत, डोटासरा सहित सभी नेता यात्रा में मौजूद रहेंगे।**

■ **जिन 6 जिलों में भारत जोड़ो यात्रा जाएगी, वो पायलट की मजबूत पकड़ वाले क्षेत्र माने जाते हैं।**

जयपुर, 8 नवम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कार्यक्रम राजस्थान में कुछ बदलाव के साथ जारी होगा क्योंकि जो यात्रा 6 दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करने वाली थी वह अब 3 या 4 दिसंबर को ही राजस्थान में आ जाएगी। यात्रा को लेकर यह तय है कि रूट में बड़ा बदलाव नहीं है। वह झालावाड़ के बाद कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, दौसा और अलवर होते हुए मेवात में जाएगी। इस दौरान अलवर के मालाखेड़ा में राहुल गांधी की बड़ी आमसभा होगी।

बदलाव के बाद संभावित कार्यक्रम के अनुरूप यात्रा अब 3 से 4 दिसंबर की मध्यरात्रि झालावाड़ जिले के पिड़ावा से राजस्थान में प्रवेश करेगी।

यहां मध्यप्रदेश और राजस्थान की सरहद पर इसका स्वागत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। इस मौके पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिहं डोटासरा, सभी मंत्री और विधायकों सहित पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। यात्रा की तैयारियों के सिलसिले में जयपुर आए विभाकर शास्त्री ने बताया की यात्रा का रूट एक दो दिन में फाइनल कर दिया जाएगा और उसके बाद विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री गहलोत ने शुक्रवार को खान मंत्री प्रमोद जैन भाया से मुलाकात कर यात्रा की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। मध्यप्रदेश की सरहद तक राहुल के साथ वहां के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ भी आएंगे।

दिग्विजय सिंह तो राजस्थान में भी यात्रा के साथ रहेंगे लेकिन कमलनाथ वापस लौट जाएंगे। संभावित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा के दौरान कांग्रेस पार्टी की ओर से विभिन्न कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं से भी राहुल गांधी की मुलाकात करवाई जाएगी। यात्रा प्रमुख रूप से झालावाड़-बारां, कोटा-बूंदी के गुर्जर बाहुल्य क्षेत्रों के साथ सवाईमाधोपुर, दौसा अलवर होते हुए मेवात में प्रवेश करेगी। इस क्षेत्र की सभी गुर्जर बहुल सीटों पर सचिन पायलट का खासा प्रभाव माना जाता है।

कांग्रेस पार्टी और सरकार इस यात्रा के जरिए जनता को यह संदेश भी देना चाहेगी कि पार्टी पूर्णत: एकजुट है और सरकार या पार्टी में कहीं कोई गुटबाजी या अस्थिरता का माहौल नहीं है।

यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने राहुल के प्रतिनिधि सुशांत मिश्रा व उनकी टीम झालावाड़ पहुंच चुकी है। मिश्रा राहुल की यात्रा के रूट प्रबंधन और मीटिंग का काम देख रहे हैं। मिश्रा ने झालावाड़ के पिड़ावा क्षेत्र का शनिवार को दौरा किया था।

कांग्रेस का ट्विटर हैण्डल ब्लॉक नहीं होगा

कर्नाटक हाई कोर्ट ने बैंगलुरु की स्थानीय अदालत के इस संबंध में दिये गये फैसले पर तत्काल रोक लगाई

■ **जैसा कि विदित है कि, के.जी.एफ. चैप्टर-2 फेम म्यूज़िक कंपनी ने सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ उनकी फिल्म के गानों एवं वीडियो को बिना इजाजत इस्तेमाल करने के आरोप लगाये थे जिस पर बैंगलुरु की कॉमर्शियल कोर्ट ने कांग्रेस व भारत जोड़ो यात्रा, दोनों के ट्विटर हैण्डल को ब्लॉक करने का आदेश दिया था।**

बैंगुलुरु, 8 नवम्बर। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी और उसकी भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर अकाउंट को ब्लॉक करने वाले विशेष अदालत के एक आदेश को रद्द कर दिया। बेंगलुरु शहरी जिले की एक विशेष अदालत ने सोमवार को ट्विटर को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और इसकी 'भारत जोड़ो यात्रा' के 'हैंडल' को सुनवाई की अगली तारीख तक ''ब्लॉक'' करने का निर्देश दिया था। हालांकि अब कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस फैसले को रद्द कर दिया है। बेंगलुरु शहरी जिले की एक विशेष अदालत का आदेश एमआरटी म्यूजिक द्वारा एक वाद दायर किए जाने के बाद आया था। एमआरटी म्यूजिक 'केजीएफ चैप्टर 2' फिल्म के 'साउंड ट्रैक' का कॉपीराइट धारक है। इसने अदालत में वाद दायर करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने 'आईएनसी इंडिया' और 'भारत जोड़ो' ट्विटर हैंडल से कुछ वीडियो ट्वीट किए थे जिनमें हिट फिल्म केजीएफ-2 के म्यूजिक का इस्तेमाल किया गया था।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर साउंड रिकॉर्ड्स के अवैध इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया गया तो इससे म्यूजिक लेबल को नुकसान होगा और बड़े पैमाने पर पाइरेसी को बढ़ावा मिलेगा। कोर्ट ने आगे कहा, 'शिकायतकर्ता ने विशेष रूप से सीडी पेश की और अवैध रूप से इस्तेमाल किए गए गानों के संस्करण के साथ ऑरिजिनल गाने को दिखाया।

भारत जी-20 का अध्यक्ष

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। एक दिसंबर से भारत जी-20 की अध्यक्षता संभालेगा। इससे पहले प्र.मंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत के जी-20 प्रेसीडेंसी के, थीम और वेबसाइट का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस लोगो और थीम के जरिए हमने एक संदेश दिया है। उन्होंने कहा, मैं भारत की जी20 अध्यक्षता के ऐतिहासिक अवसर पर देशवासियों को बधाई देता हूं। वसुधैव कुटुम्बकम विश्व के प्रति भारत की करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जी-20 ऐसे देशों का समूह है, जिनका आर्थिक सामर्थ्य, विश्व की 85 जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 उन 20 देशों का समूह है, जो विश्व के 75 फीसदी व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है।

कर्नाटक में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मणि...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने यह नाम भारतवासियों का उपहास करने के उद्देश्य से दिया था तथा बहुत से लोगों ने इसे चुनौती भी दी थी। अपनी बात पर दृढ़ता से अड़े हुये जर्कीहोली ने कहा कि ''हिन्दू'' शब्द का अर्थ बहुत गंदा है तथा उन्होंने अपनी इस टिप्पणी को वापस लेने के कांग्रेस नेतृत्व के हुक्म के आगे सिर झुकाने से इंकार कर दिया। जब मीडियाकर्मियों ने कांग्रेस नेतृत्व के आदेश पर उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही, तो उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा, ''मैं सही हूँ, वे भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि हिन्दू शब्द फारस से आया है। मैंने तो किसी की आलोचना भी नहीं की है, और हिन्दूओं की तो बिल्कुल भी नहीं। इसलिये माफी माँगने का या बयान को वापस लेने का प्रश्न ही कहाँ उठता है। अगर मैं गलत सिद्ध हो जाऊं, तो क्षमा माँगने की तो बात ही क्या है, मैं पार्टी विधायक पद से इस्तीफा दे दूँगा।''

उन्होंने रविवार को कर्नाटक के बेलागावी जिले की एक जनसभा को संबोधित करते हुए वस्तुत: कहा था कि ''हिन्दू'' एवं ''हिन्दू धर्म'' शब्दों की उत्पत्ति या मूल पर चर्चा होनी चाहिये, क्योंकि ये शब्द ''हमारे'' नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''हिन्दू शब्द की उत्पत्ति कहाँ से हुई? क्या यह शब्द हमारा है? यह फारसी है।'' उन्होंने कहा कि तत्कालीन फारस आज इराक, ईरान, कज़ाकिस्तान तथा अफगानिस्तान के रूप में हैं। कांग्रेस महासचिव तथा कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जर्कीहोली के बयान की निन्दा की तथा उनकी टिप्पणी से पार्टी को अलग रखने की कोशिश की। लेकिन जो नुकसान हो सकता था, वह हो चुका है क्योंकि भाजपा नेता कांग्रेस पर सीधा हमला बोल रहे हैं तथा इसे हिन्दू-विरोधी बता रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह संभव है कि अल्पसंख्यक समुदाय के वोट प्राप्त करने की कोशिश में, राहुल गांधी ने, अपनी भारत जोड़ो यात्रा के कर्नाटक से गुजरते समय ये टिप्पणियाँ अपनी पार्टी नेताओं तक पहुँचाई हों। भाजपा नेता का मकसद साफ था- ऐसे समय पर, जब राजनीति एवं राज्य व्यवस्था साफ तौर पर बँटी हुई है, कांग्रेस को हिन्दू-विरोधी तथा अल्पसंख्यक-समर्थन पार्टी के रूप में प्रस्तुत करना।

इस बात को भाँपते हुये, कांग्रेस की कोशिश है कि वह स्वयं को इस पूरे विवाद से अलग रखे, लेकिन इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने की भाजपा की दक्षता के चलते, कांग्रेस ने भाजपा को एक ऐसा मुद्दा थमा दिया है कि वह कांग्रेस को कहीं का नहीं छोड़े। भाजपा ने, अधिकृत रूप से, ट्विटर पर कांग्रेस के लिये एक जटिल प्रश्न रखते हुये, उससे पूछा कि क्या कर्नाटक के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जर्कीहोली की टिप्पणी कांग्रेस पार्टी का विचार है।

इधर कांग्रेस नेता सुरेजवाला ने एक ट्वीट में कहा है: ''हिन्दू एक जीवन-शैली एवं सभ्यता से जुड़ी एक वास्तविकता है। कांग्रेस ने हमारे राष्ट्र का निर्माण इस रूप में किया है कि वह प्रत्येक धर्म, आस्था एवं धार्मिक मत का सम्मान करे। यह भारत का सारतत्व है। सतीश जर्कीहोली से जुड़ा बयान अत्यधिक दुर्भाग्यपूर्ण तथा खारिज किये जाने योग्य है। हम (कांग्रेस) साफ तौर पर इसकी भर्त्सना करते हैं।''

कुलदीप कुमार कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने

नयी दिल्ली, 8 नवंबर (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप कुमार को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी महासचिव संगठन तथा संचार विभाग के महासचिव ने इस पद के लिए कुमार के नाम की संस्तुति दी है और उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि कुमार हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे हैं। उन्हें तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर काम शुरू करने के लिए कहा गया है।

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट जल्द लॉन्च होगा

हैदराबाद स्थित निजी कंपनी ''स्काईरूट एयरोस्पेस'' ने घोषणा की कि, रॉकेट अपने साथ तीन लोगों को स्पेस (अंतरिक्ष) में ले जायेगा, इसकी लॉन्चिंग 12 से 16 नवम्बर के बीच होगी

■ **स्काईरूट एयरोस्पेस देश की पहली निजी कंपनी है जो अपना खुद का स्पेस मिशन लॉन्च करने जा रही है।**

■ **गौरतलब है कि, 2020 में भारतीय स्पेस प्रोग्राम को निजी कंपनियों के लिए खोलने की घोषणा हुई थी, इतने कम वक्त में इस कंपनी ने अपना खुद का रॉकेट तैयार कर लिया है, यह कंपनी के लिए एक खास उपलब्धि है।**

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-एस 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च के लिए तैयार है। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने मंगलवार को यह घोषणा की। स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला मिशन, जिसका नाम प्रारंभ है, तीन लोगों को ले जाएगा। इसे श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के लॉन्चपैड से लॉन्च किया जाएगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ और सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने कहा, ''अधिकारियों ने 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च विंडो को नोटिफाई किया है। मौसम की स्थिति के आधार पर अंतिम तारीख तय की जाएगी।

इस मिशन के साथ ही, स्काईरूट एयरोस्पेस भारत की पहली प्राइवेट कंपनी बन जाएगी जिसने अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च किया हो। इसे एक नए युग की भी शुरुआत माना जा रहा है और इसे साल 2020 में प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ नागा भरत डाका ने कहा,'' विक्रम-एस रॉकेट एक सिंगल-स्टेज सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल है जो तीन लोगों को ले जाएगा और अंतरिक्ष लॉन्च वाहनों की विक्रम श्रृंखला में अधिकांश तकनीकों का परीक्षण और सत्यापन करने में मदद करेगा। चंदना ने कहा कि इसरो और इन-स्पेस (इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर) के अमूल्य समर्थन के कारण ही स्काईरूट इतने कम समय में विक्रम-एस रॉकेट मिशन को तैयार कर सका। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि के रूप में स्काईरूट के लॉन्च वाहनों का नाम विक्रम रखा गया है। हैदराबाद में स्थित, स्काईरूट अंतरिक्ष में कमर्शियल सैटेलाइट्स को लॉन्च करने के लिए अत्याधुनिक अंतरिक्ष लॉन्च व्हीकल बनाता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908